CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-359
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पेज-04

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 01 अप्रैल 2024

आज का विचार

रिश्तों का गलत इस्तेमाल कभी मत करना अच्छे लोग जिंदगी में बार बार नही आते।

चार राज्यों में बारिश और आंधी- तूफान से तबाही बंगाल में 4 की मौत

नई दिल्ली। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, मिजोरम और मणिपुर में रविवार को अचानक आए तूफान और बारिश से काफी तबाही मची। वेस्ट बंगाल के जलपाईगुड़ी में चार लोगों की मौत हो गई। 100 लोग घायल हैं। असम के गुवाहाटी में गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तेज बारिश से काफी नुकसान हुआ। एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा गिर गया। फ्लाइट की आवाजाही को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। वहीं छह फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा। मिजोरम के चम्फाई जिले के लुंगटन गांव में एक चर्च की इमारत ढह गई। वहीं आइजोल जिले के सियालसुक में एक और चर्च की इमारत को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा कुछ घर भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। उधर मणिपुर के थौबल और खोंगजोम इलाके में भी कई पेड़ उखड़ गए और घरों की टीन की छतें उड़ गईं। पश्चिम बंगाल में तूफान और बारिश से काफी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया, मैनागुरी के कई इलाकों में तेज हवा के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में राजारहाट, बरनीश, बकाली, जोरपाकडी, माधबडांगा और सप्तीबारी शामिल हैं।

छिंदवाड़ा में तेज तूफान के चलते शॉर्टसर्किट, ट्रेन में लग गई आग

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश में छिंदवाड़ा नैनपुर पैसेंजर ट्रेन में शॉर्टसर्किट से इंजन में धमाके की आवाज से आग लग गई और अचानक से ट्रेन खड़ी हो गई। इस दौरान पैसेंजरों में घबराहट के कारण भगदड़ सी मच गई। बताया जा रहा है कि छिन्दवाड़ा से चौरई सिवनी होते हुए नैनपुर की तरफ जाने वाली छिन्दवाड़ा नैनपुर पैसेंजर ट्रेन में चौरई के पास शॉर्टसर्किट हो गया। ट्रेन में शॉर्टसर्किट के बाद से ही ट्रेन उसी स्थान पर लगभग डेढ़ घंटे खड़ी रही। वही यात्रियों को ट्रेन में शॉर्टसर्किट होने की जानकारी लगते ही अफरा तफरी का माहौल बन गया ओर सभी ट्रेन से नीचे उतर गये। जानकारी के अनुसार घटना की जानकारी लगते ही सुधार कार्य करने वाले रेलवे के कर्मचारी ट्रेन तक पहुंचे और सुधार कार्य करने के बाद लगभग 8 बजे ट्रेन सिवनी की ओर रवाना हुई। वही ट्रेन में हुये शॉर्टसर्किट से किसी भी प्रकार की कोई हानि नही हुई है। चौरई में पुराने स्टेशन के पास नैनपुर मंडला ट्रेन में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब यहां पर इंजन के पास अचानक शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने के बाद तत्काल ड्राइवर ने ट्रेन को रोक दिया, ट्रेन में सवार यात्री बाल-बाल बचे, वही ट्रेन रुकते ही यहां पर ट्रेन में सवार यात्री इधर-उधर भागने लगे कुछ यात्री इस दौरान गिर गए जिन्हें हल्की चोट भी आई।

राष्ट्रपति ने लालकृष्ण आडवाणी के घर जाकर दिया भारत रत्न सम्मान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी पीएम लालकृष्ण आडवाणी को रविवार को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आडवाणी को घर जाकर उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया। इस दौरान उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शनिवार को राष्ट्रपति भवन में हुए कार्यक्रम में लालकृष्ण आडवाणी खराब स्वास्थ्य के चलते शरीक नहीं हो पाए थे। इसके बाद उन्हें उनके दिल्ली वाले आवास में जाकर इस सम्मान से नवाजा गया। आडवाणी को सम्मानित करने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर आ गया। लोग इस सम्मान के दौरान काफी प्रसन्न दिखे। आडवाणी राम मंदिर आंदोलन के अगुआ थे। एक समय के कद्दावर शख्सियत और अटल सरकार में डिप्टी पीएम के पद पर रहे बीजेपी के वरिष्ठ नेता इस समय उम्रदराज और खराब स्वास्थ्य के चलते दिल्ली स्थित घर में ही रहते हैं।

इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव व चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन और दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न मरणोपरांत प्रदान किया। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के लिए सम्मान उनके बेटे पीवी प्रभाकर राव ने स्वीकार किया। चौधरी चरण सिंह के लिए उनके पोते और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राष्ट्रपति से यह सम्मान स्वीकार किया। वहीं, स्वामीनाथन की ओर से उनकी बेटी नित्या राव और कर्पूरी ठाकुर की ओर से उनके बेटे रामनाथ ठाकुर ने राष्ट्रपति मुर्मू से यह पुरस्कार लिया।

राम मंदिर निर्माण के लिए राम रथ यात्रा

1980 की शुरुआत में विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या में राम जन्मभूमि के स्थान पर मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन की शुरुआत की। उधर, आडवाणी के नेतृत्व में भाजपा राम मंदिर आंदोलन का चेहरा बन गई। आडवाणी ने 25 सितंबर, 1990 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सोमनाथ से राम रथ यात्रा शुरू की थी।

सबसे ज्यादा समय तक भाजपा में अध्यक्ष रहे

आडवाणी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जरिये अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। कई वर्षों तक आडवाणी राजस्थान में आरएसएस प्रचारक के काम में लगे रहे। वे उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी थी। 1980 से 1990 के बीच आडवाणी ने भाजपा को एक राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाने के लिए काम किया। लालकृष्ण आडवाणी तीन बार (1986 से 1990, 1993 से 1998 और 2004 से 2005) भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। 1984 में महज दो सीटें हासिल करने वाली पार्टी को अगले लोकसभा चुनावों में 86 सीटें मिलीं। पार्टी की स्थिति 1992 में 121 सीटों और 1996 में 161 पर पहुंच गई। आजादी के बाद पहली बार कांग्रेस सत्ता से बाहर थी और भाजपा सबसे अधिक संख्या वाली पार्टी बनकर उभरी थी। वे 1998 से 2004 के बीच भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में गृहमंत्री रह चुके हैं। लालकृष्ण आडवाणी 2002 से 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत के सातवें उप प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं। 10वीं और 14वीं लोकसभा के दौरान उन्होंने विपक्ष के नेता की भूमिका बखूबी निभाई है।

लोकसभा चुनावः बीजेपी पर आरोप- पार्टी ने ज्यादातर चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टर बुक करा लिए

चुनाव प्रचार के लिए चार्टर्ड प्लेन और चॉपर बुकिंग की मारामारी

नई दिल्ली। इस बार के लोकसभा चुनाव में प्रचार और चुनाव संबंधी अन्य कार्यों के लिए चार्टर्ड प्लेन और चॉपर बुकिंग की मारामारी है। बीजेपी और कांग्रेस समेत विभिन्न पार्टियां इन्हें बुक करा रही हैं। आरोप यह भी लग रहे हैं कि बीजेपी ने ज्यादातर चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टर बुक करा लिए हैं। दूसरे दलों और उम्मीदवारों को बुकिंग के अवसर कम मिल रहे हैं। सरकारी और गैर-सरकारी कंपनियों और लोगों के लिए चार्टर्ड प्लेन और चॉपर की सेवाएं देने वाली कंपनियों का कहना है कि अभी तक के ट्रेंड को देखें तो इस बार के लोकसभा चुनावों में चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टर की बुकिंग अधिक हो रही है। अधिकतर बुकिंग राजनीतिक पार्टियों ने कराई है। कुछ बुकिंग कंपनियों और निजी लोगों ने भी की है। इनमें कुछ उम्मीदवार भी हैं। आलम यह है कि बीजेपी, कांग्रेस और अन्य पार्टियों ने अभी अपने पूरे उम्मीदवार खड़े भी नहीं किए हैं और अडवांस में ही तमाम चार्टर्ड प्लेन और चॉपर की बुकिंग फुल हो चुकी है। मौजूदा समय में इक्का-दुक्का हेलिकॉप्टर ही बड़ी मुश्किल से चुनाव प्रचार की बुकिंग के लिए उपलब्ध हैं।

पवन हंस के चॉपर सबसे अधिक बुक

जानकारों का कहना है कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर सबसे अधिक बुक किए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि पवनहंस के 20 से अधिक हेलिकॉप्टर बुक हो चुके हैं। इनमें से अधिकतर या यूं कहें कि सभी बीजेपी ने बुक किए हैं। हालांकि, इस मामले में पवनहंस ने पूछे गए सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। पवनहंस से ही जुड़े सूत्रों का कहना है कि उनके बेड़े में करीब 45 हेलिकॉप्टर हैं। इनमें से 20 से अधिक चुनावों के लिए बुक किए जा चुके हैं। चॉपर की सेवाएं देने वाली अन्य कंपनियों का भी कहना है कि उनके भी तमाम हेलिकॉप्टर बुक हो चुके हैं। चुनावी प्रचार के लिए बुकिंग अब भी आ रही हैं, लेकिन उनके पास अतिरिक्त चॉपर उपलब्धता बेहद कम है।

चुनाव आयोग भी रख रहा नजर

चुनावों के दौरान चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल करने की बात को देखते हुए भारतीय चुनाव आयोग भी इसके लिए अलर्ट है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इसके लिए तमाम एयरपोर्ट, एयरलाइंस और एविएशन सेक्टर से संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिए हैं। इसका मकसद चुनावों के दौरान चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टर के माध्यम से पैसों के आदान-प्रदान समेत अन्य तरह के दुरुपयोग को रोकना है। इसके लिए देश के सभी छोटे-बड़े एयरपोर्ट और हेलिपोर्ट पर भी इस तरह के हर टेक ऑफ और लैंडिंग पर नजर रखी जा रही है। तमाम राज्यों के सीईओ और जिलों के डीएम और रारढ को भी इसके लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

देर रात मंत्री के बेटे के खिलाफ मामला दर्ज, 4 पुलिसकर्मी निलंबित

भोपाल। प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के बेटे के खिलाफ शनिवार देर रात सवा बजे भोपाल के शाहपुरा थाने में मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। वहीं, मंत्री पुत्र की तरफ से की गई शिकायत पर रेस्टॉरेंट संचालक दंपती सहित तीन लोगों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया गया है। इधर, मंत्री पुत्र के साथ थाने में अभद्रता करने पर चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। मंत्री पुत्र की बीच सड़क पर गुंडागर्दी को कांग्रेस पार्टी ने राक्षसराज करार देते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पीड़ित होटल संचालक दंपती और मीडियाकर्मी को अपने साथ लेकर शाहपुरा थाने पहुंचे। जीतू पटवारी ने एसीपी मयंक खंडेलवाल से कहा कि होटल संचालक के सिर में सात टांके आए हैं। 307 का मुकदमा क्यों दर्ज नहीं हुआ। मीडियाकर्मी की एफआईआर क्यों नहीं लिखी गई। पुलिसकर्मियों को सस्पेंड क्यों किया गया। उन्होंने बताया कि इसके जवाब में थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की हमें जानकारी नहीं है। जांच के बाद धाराएं बढ़ाई जाएगी।इधर, थाने में मंत्री पुत्र के साथ अभद्रता करने के आरोप वाले एएसआई सहित चारों पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच शुरू हो गई। जांच का जिम्मा हबीबगंज एसीपी को सौंपा गया है। पहले चारों को लाइन अटैच किया गया इसके बाद रविवार को उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। एसआई जय कुमार, आरक्षक नरेश गुर्जर सहित दो अन्य पुलिसकर्मियों को थाने के सीसीटीवी फुटेज और बयानों के आधार पर सस्पेंड किया गया है। मंत्री पटेल ने थाने पहुंचकर बेटे से अभद्रता करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मंत्री से बात की। इसके बाद रात 12 बजे मंत्री थाने से रवाना हुए। मंत्री के जाने के बाद रेस्टॉरेंट संचालक की शिकायत पर मंत्री के बेटे अभिज्ञान व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

करीला धाम में रंगपंचमी मेले में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की शिरकत, कहा-

अयोध्या में राम मंदिर तो फिर करीला क्यों रहे अछूता ?

अशोक नगर। अशोक नगर जिले के तहसील मुख्यालय से महज 30 किलोमीटर की दूरी पर लगने वाले देश के बहुचर्चित मेलों में से एक मां जानकी के दरबार करीला धाम में रंग पंचमी पर लगने वाले ऐतिहासिक मेले का रविवार सुबह दिव्य गुफा के कपाट खुलने के साथ ही शुभारंभ हो गया। इस मेले में करीब 25 से 30 लाख श्रद्धालुओं ने माता जानकी के दर्शन किए और मान्यता के अनुसार राई नृत्य भी कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी करीला धाम पहुंचे और माता के दरबार में पूजन अर्चन कर आरती की और माता जानकी का आशीर्वाद लिया। वहीं मंदिर के पुजारी ने मुख्यमंत्री को पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। करीला ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम की एक फोटो भेंट की। माता जानकी के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंदिर परिसर के अंदर रखे ढोल को अपने ही अंदाज में बजाते नजर आए। वहीं उन्होंने माता करीला को झंडा भी चढ़ाया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं करीला धाम में माता जानकी के दर्शन करने आया हूं। मैं आस्था और श्रद्धा के इस केंद्र पर शीश नवाता हूं। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से अतीत में शिवराज सिंह की सरकार ने जो काम किए थे, मैं कोशिश करूंगा आने वाले समय में इस पूरे धाम को लेकर आचार संहिता के बाद विस्तृत प्लान भी बनाएंगे। सीएम ने करीला में मां जानकी के मंदिर को लेकर आचार संहिता लगने के कारण इशारों-इशारों में बड़ी घोषणा की है।

आचार संहिता के बाद दर्शनीय स्थल बनाएंगे

डॉ मोहन यादव ने कहा कि अभी आचार संहिता है मैं कुछ नहीं कह सकता। लेकिन आचार संहिता के बाद करीला को हम एक दर्शनीय स्थल बनाएंगे। इस दौरान मोहन यादव ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश में आज अलग धार्मिक माहौल है, जहां अयोध्या में लंबे इंतजार के बाद भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार हो गया है तो वहीं काशी एवं अन्य धार्मिक स्थलों का भी पुनरुत्थान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा करीला धाम क्यों अछूता रह जाएगा।

सिंगल कॉलम

जापानी बुखार की वैक्सीन लगाने में इंदौर नंबर वन, 1 लाख से ज्यादा टीके लगे

इंदौर। जापानी बुखार को जड़ से खत्म करने के लिए टीकाकरण के मामले में इंदौर ने भोपाल सहित अन्य शहरों को पीछे छोड़ते हुए मध्यप्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इंदौर में अभी तक लगभग एक माह में 1 लाख से ज्यादा नाबालिग बच्चों को टीका लगाया जा चुका है। जिला स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण अधिकारी तरुण गुप्ता ने बताया कि पिछले माह 27 फरवरी से मध्यप्रदेश के 4 जिलों में नाबालिगों को टीकाकरण की शुरुआत हुई थी। अभी तक 1 साल से लेकर 15 साल के 1 लाख 17 हजार 81 नाबालिग बच्चों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। टीकाकरण के मामले में इंदौर शहर भोपाल, सागर, नर्मदापुरम जिलों से आगे निकल गया है। मध्यप्रदेश के 4 जिलों में चल रहे टीकाकरण की स्थिति 28 मार्च तक इंदौर में 1,17,081, भोपाल में 072039, सागर में 089861 और नर्मदापुरम में 071586 टीके लगाए गए। इंदौर जिले में 12 लाख 35 हजार नाबालिग बच्चों को वैक्सीन लगाना है। फरवरी-मार्च माह में स्कूली परीक्षाओं का दौर चलता है। परीक्षा खत्म होने के बाद टीकारण और तेजी से किया जाएगा।

दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गए 15 साल के किशोर की डूबने से मौत

इंदौर। दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गए 15 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। डर के कारण दोस्तों ने परिवार के लोगों को हादसे की बात नहीं बताई। रविवार सुबह परिजनों को किशोर के तालाब में डूबने का पता चला। दो घंटे के अभियान के बाद एनडीआरएफ की टीम ने तालाब में से शव को खोजा। घटना टिगरिया बादशाह तालाब की है। बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाला पवन पिता नकुल विश्वकर्मा शनिवार दोपहर अपने दोस्तों के साथ तालाब पर नहाने गया था। उसके दोस्त किनारे पर नहा रहे थे,लेकिन पवन गहराई में जाकर नहाने लगा। इस दौरान वह डूबने लगा तो मदद के लिए चिल्लाया। दो दोस्तों ने उसे तालाब से निकालने की कोशिश की,लेकिन तब तक वह डूब चुका था। पवन के डूबने से दोस्त डर गए और यह बात किसी को नहीं बताई और अपने-अपने घर चले गए। जब शाम तक पवन घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों को पता था कि वह दोस्तों के साथ रंगपंचमी मनाने गया है। परिजनों ने दोस्तों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि होली खेलने के बाद सभी तालाब में नहाने गए थे। वहां पवन डूब गया। इसके बाद परिजन तालाब पहुंचे तो उसके जूते और कपड़े वहां मिले, लेकिन तब तक रात हो चुकी थी। सुबह बाणगंगा पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम की मदद से तालाब में पवन को खोजना शुरू किया, तो उसका शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

शराब अड्डे पर छापा मारने गई आबकारी महिला अफसर को तस्कर ने धमकाया

इंदौर। ड्राय डे पर अवैध शराब के अड्डे पर छापा मारने गई महिला अफसर से शराब तस्कर ने अभद्रता की। शासकीय कार्य में बाधा डाली और धमकाया। सदर बाजार थाना पुलिस ने तस्कर और सहयोगियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, रंगपंचमी पर एसआइ (आबकारी) मीरा सिंह ठाकुर इमली बाजार में शराब तस्कर राकेश नागर के अड्डे पर पहुंची थी। टीम ने शराब की पांच पेटियां पकड़ ली। राकेश व उसके परिवार के सदस्य महेंद्र नागर, राजेंद्र नागर और विक्की नागर ने टीम से विवाद किया। पानी फेंका और झूमाझटकी करने लगे। मौके पर मदद के लिए सदर बाजार थाना का बल बुलाना पड़ा। रात को सभी के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवाई गई। उधर, गोमा की फेल में रहने वाले सौरभ रघुवंशी ने अभिषेक शर्मा उर्फ नन्नी पंडित निवासी भागीरथपुरा के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। सौरभ के भाई शुभम रघुवंशी की 4 जनवरी को रणजीत हनुमान की प्रभात फेरी में हत्या कर दी गई थी। आरोपित ने सौरभ को गवाही देने पर धमकाया। पुलिस ने आरोपित पर एफआइआर दर्ज कर ली है। शुभम भारतीय जनता युवा मोर्चा और बजरंग दल का कार्यकर्ता था।

इंदौर में 195 रुपये में मिलने वाला पहली कक्षा का कोर्स 3 हजार में लेने को मजबूर पालक

इंदौर। नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही सीबीएसई स्कूलों की मनमानी शुरू हो गई है। स्कूल परिणाम के साथ ही पालकों के किताबों की लिस्ट भी दी जा रही है। यह किताबें भी तय दुकानों पर हजारों रुपये में मिल रही है, जबकि सीबीएसई स्कूलों को एनसीईआरटी की किताबों का ही उपयोग करना है, लेकिन अलग-अलग स्कूल अपने-अपने तरीके से पालकों को महंगी पुस्तकों का सेट खरीदने पर मजबूर कर रहे है। इधर एनसीईआरटी की किताबों की बात करें तो पहली कक्षा का सेट महज 195 रुपए में आ रहा है, जबकि सीबीएसई स्कूलों में कक्षा एक का सेट तीन से लेकर पांच हजार रुपये में आ रहा है। स्कूलों की मनमानी वर्षों से चली आ रही है, लेकिन हर घर की इस समस्या पर आज तक राजनैतिक दलों ने ध्यान तक नहीं दिया।

इसी माह दूसरे हफ्ते में आ सकता है एमपी बोर्ड 10वीं,12वीं रिजल्ट

इंदौर। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं। एमपी बोर्ड परीक्षा 2024 में शामिल हुए 15 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स अपने रिजल्ट जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। 10वीं यानी मैट्रिक की परीक्षा 5 फरवरी से 20 मार्च, 2024 के बीच हुई थी। वहीं, 12वीं यानी इंटरमीडिएट की परीक्षा 6 फरवरी से 20 मार्च, 2024 के बीच आयोजित की गई थी। 9 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स ने इस साल मध्यप्रदेश बोर्ड 10वीं की परीक्षा दी थी। वहीं, करीब 6 लाख स्टूडेंट्स 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए थे। परीक्षा के बाद इनकी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन हो चुका है। संभावना जताई जा रही है कि अप्रैल के दूसरे हफ्ते तक दोनों परीक्षाओं का रिजल्ट माध्यमिक शिक्षा मंडल जारी कर देगा। हालांकि एमपी बोर्ड ने अपनी तरफ से रिजल्ट डेट पर कोई ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है, लेकिन पिछले साल के ट्रेंड के हिसाब से माना जा रहा है कि रिजल्ट अप्रैल में जारी होंगे।

मूल्यांकन प्रक्रिया 22 फरवरी को शुरू हो गई थी

एमपी बोर्ड के सचिव एमडी त्रिपाठी ने कुछ दिनों पहले मीडिया को बताया था कि 10वीं, 12वीं परीक्षाओं की पेपर मूल्यांकन प्रक्रिया 22 फरवरी को शुरू हो गई थी। एमपी बोर्ड मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए 25 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। आपकी जानकारी के लिए बता दें, कॉपी चेकिंग का काम लगभग पूरा हो गया है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि एमपी बोर्ड 10वीं, 12वीं रिजल्ट 15 से 20 अप्रैल 2024 के बीच तैयार कर लिया जाएगा।

12वीं के स्टूडेंट्स को मिलेंगे बोनस अंक

एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं, 12वीं की परीक्षा दे चुके स्टूडेंट्स अभी तक सेल्फ इवैल्युएशन कर चुके होंगेष एमपी बोर्ड ने कक्षा 12वीं के स्टूडेंट्स को बोनस मार्क्स देने का फैसला किया है। दरअसल, एमपी बोर्ड 12वीं के मैथमेटिक्स और केमिस्ट्री विषयों के प्रश्न पत्रों में कुछ गलती थी। इसे लेकर स्टूडेंट्स ने काफी बवाल भी किया था। इसके बाद ही एमपी बोर्ड ने मैथ्स और केमिस्ट्री का पेपर देने वाले स्टूडेंट्स को बोनस के तौर पर 2 मार्क्स देने का फैसला लिया है।

इस तरह जारी होगी टॉपर लिस्ट

सभी विद्यार्थियों के लिए इस बात की दुविधा थी की मध्य प्रदेश एजुकेशन बोर्ड के द्वारा स्ट्रीम के रिजल्ट किस प्रकार जारी किए जाएंगे। एमपी बोर्ड कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए बता दें कि सभी विद्यार्थी जो अलग-अलग स्ट्रीम के तहत विषयों में जैसे आर्ट, मैथ्स ,बायो ,कॉमर्स ,एग्रीकल्चर इत्यादि में आवंटित थे उनके लिए कक्षा 12वीं के सभी स्ट्रीम के परिणाम एक साथ जारी करवाए जाएंगे। हालांकि जिन विद्यार्थियों ने अपने-अपने निर्धारित विषयों में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है उनके लिए सभी स्ट्रीम की टॉपर लिस्ट अलग-अलग जारी की जाएगी ताकि सभी विद्यार्थी अपने निर्धारित विषयों के टॉपर के विवरण की जानकारी प्राप्त कर सके। जो विद्यार्थी अपने स्कूलों के स्टीम टॉपर की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए यह जानकारी स्कूलों के द्वारा प्राप्त करनी होगी।

25000 रुपए की पुरस्कार राशि

मध्यप्रदेश राज्य में जो विद्यार्थी एमपी बोर्ड 12वीं रिजल्ट 2024 के तहत अच्छे अंकों के साथ सफलता प्राप्त करते हैं तथा मेधावी छात्रों की लिस्ट में दर्ज करवाए जाते हैं। उनके लिए मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा 25000 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान करवाई जाएगी। सभी विद्यार्थियों के लिए मेधावी लिस्ट में चयनित होने हेतु निर्धारित प्रतिशत के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त करने होंगे तत्पश्चात ही वे सरकार द्वारा दिए जाने वाले इस इनाम को प्राप्त कर सकेंगे। पिछली बार की तरह 2024 में भी कक्षा 12वीं के बोर्ड रिजल्ट को ऑनलाइन माध्यम से एमपीबीएसई की ऑफिशल वेबसाइट पर जारी करवाया जाएगा। मध्यप्रदेश बोर्ड एजुकेशन के तहत रिजल्ट जारी करवाए जाने हेतु एक्सप्रेस कॉन्फ्रेंस मीटिंग आयोजित की जाएगी तथा इस मीटिंग के तहत निश्चित तिथि के दौरान रिजल्ट ऑनलाइन प्रकाशित करवा दिए जाएंगे।

काशी विश्वनाथ मंदिर और उज्जैन महाकाल लोक के दर्शन हुए आसान, इंदौर से काशी के लिए डायरेक्टर फ्लाइट शुरू

दो ज्योतिर्लिंग के बीच जुड़ा हवाई कनेक्शन

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट ने एक और नई सौगात दी है। इंदौर में आज से इंदौर-वाराणसी के बीच सीधी उड़ान शुरू हो गई है। इंडिगो एयरलाइंस इस फ्लाइट का संचालन कर रही है। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार सप्ताह के सातों दिन इंडिगो द्वारा इस फ्लाइट का संचालन किया जाएगा। पहले भी इंडिगो इंदौर-वाराणसी के लिए सीधी उड़ान का संचालन करती थी लेकिन कोरोना काल के दौरान यह फ्लाइट बंद हो गई थी। यात्रियों की मांग को देखते हुए कंपनी ने इसे दोबारा शुरू करने का फैसला किया। इंदौर से वाराणसी फ्लाइट शुरू होने से इंदौर के आसपास के लोगों को भी फायदा मिलेगा। कुछ समय पहले काशी विश्वनाथ मंदिर और कॉरिडोर को नए रूप में तैयार किए जाने के बाद यहां जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। इसी तरह उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण के बाद भी यही हाल है। दोनों ही ज्योतिर्लिंगों में बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं। इस फ्लाइट के शुरू होने से दोनों ज्योतिर्लिंग हवाई मार्ग से भी जुड़ जाएंगे और भक्तों को काफी सुविधा होगी। इसके साथ ही उत्तरप्रदेश के एक और शहर से इंदौर का कनेक्शन भी जुड़ जाएगा। यदि किसी को एक ही दिन में लौटना हो तो यह फ्लाइट काफी सुविधाजनक रहेगी। सुबह 11 बजे वाराणसी पहुंचने के बाद श्रद्धालु दर्शन-भ्रमण कर रात में लौट भी सकेंगे। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि इस फ्लाइट से धार्मिक पर्यटन को सबसे ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। हालांकि राजकोट की उड़ान का संचालन पूरी तरह से बंद हो गया है। एक अप्रैल से दुबई और शारजाह की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का समय भी बदलेगा।

समय और किराए की जानकारी

इंदौर से फ्लाइट सप्ताह में छह दिन (बुधवार को छोड़कर) सुबह 8.25 बजे रवाना होकर सुबह 10.40 बजे वाराणसी पहुंचेगी। प्रत्येक बुधवार को यह सुबह 11.55 बजे रवाना होकर दोपहर 2.10 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वाराणसी से सातों दिन यह फ्लाइट रात 8.05 बजे रवाना होकर रात 10.15 बजे इंदौर पहुंचेगी। इंदौर से जाने में 2 घंटे 15 मिनट और लौटने में 2 घंटे 10 मिनट लगेंगे। ट्रेवल एजेंट्स के मुताबिक 31 मार्च यानी पहले दिन का इंदौर से वाराणसी की फ्लाइट का किराया करीब 8 हजार रुपए था। 10 अप्रैल तक किराया लगभग ऐसा ही है, वहीं 10 से 15 अप्रैल के बीच भी किराया साढ़े 6 से 7 हजार के बीच ही है।

एक ही दिन में लौटना हो तो मिलेगी सुविधा यदि किसी को एक ही दिन में लौटना हो तो यह फ्लाइट काफी सुविधाजनक रहेगी। सुबह 11 बजे वाराणसी पहुंचने के बाद श्रद्धालु दर्शन-भ्रमण कर रात में लौट भी सकेंगे। श्रद्धालु रात्रि में इंदौर आकर महाकाल में सुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल हो सकेंगे। कुछ समय पहले काशी विश्वनाथ मंदिर और कॉरिडोर को नए रूप में तैयार किए जाने के बाद यहां जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। इसी तरह उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण के बाद भी यही हाल है। दोनों ही ज्योतिर्लिंगों में बड़ी संख्या में दर्शनार्थी जा रहे हैं। इस फ्लाइट के शुरू होने से दोनों ज्योतिर्लिंग हवाई मार्ग से भी जुड़ जाएंगे और दर्शनार्थियों को काफी सुविधा होगी। पहली उड़ान में गए 60 से अधिक यात्री इंदौर एयरपोर्ट से वाराणसी के लिए सीधी उड़ान के लिए 72 सीटर विमान में 60 से अधिक यात्री रवाना हुए। डायरेक्टोरेट जनरल आफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) द्वारा 31 मार्च से 26 अक्टूबर तक समर शेड्यूल लागू किया गया है। इसमें इंदौर से वाराणसी की उड़ान शुरू हुई। यह उड़ान सुबह 8.25 बजे वारणसी के लिए रवाना हुई। 72 सीटर विमान का संचालन किया जा रहा है। वापसी में यह उड़ान रात 10.15 बजे इंदौर आ गई। दिल्ली, मुंबई 5 हजार, वाराणसी 8 हजार

ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन बताया कि नई फ्लाइट शुरू होने से यात्रियों का उत्साह काफी बढ़ गया है। 31 मार्च को इंदौर से वाराणसी की फ्लाइट का किराया करीब 8 हजार रुपए था। 10 अप्रैल तक किराया लगभग ऐसा ही है, वहीं 10 से 15 अप्रैल के बीच भी किराया साढ़े 6 से 7 हजार के बीच ही है, जबकि इस दौरान दिल्ली, मुंबई जैसे प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें साढ़े चार से पांच हजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

भस्मारती के दौरान झुलसे तीन पुजारियों की अस्पताल से छुट्टी

सात का इलाज जारी

इंदौर। महाकाल मंदिर में भस्माआरती के दौरान लगी आग में झुलसे 12 पुजारी और सेवक पांच दिन से इंदौर के अस्पताल में भर्ती थे। अब उनकी हालत धीरे-धीरे ठीक होने लगी है। 12 में से तीन पुजारियों की अरबिंदो अस्पताल से छुट्टी कर दी गई है। सात पुजारियों व सेवकों का इलाज अभी भी अस्पताल की बर्न यूनिट में जारी है। इनमें दो पुजारी तीस से चालीस प्रतिशत तक झुलसे हैं। उन्हें डायबिटीज भी है,इसलिए उनका ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। होली के दिन उज्जैन के महाकाल मंदिर में भस्माआरती के दौरान भभकी आग की चपेट में गर्भगृह में खड़े कुछ पुजारी आ गए थे। फेंके गए रंग में कपूर मिला हुआ था। रंग पुजारियों के शरीर पर चिपके हुए थे, इसलिए आग लगने पर उनके शरीर भी झुलस गए थे। पुजारियों को पहले उज्जैन के जिला अस्पताल ले जाया गया था, फिर उन्हें इंदौर के अरबिंदो अस्पताल में रैफर किया गया। जिन तीन पुजारियों को अस्पताल से छुट्टी की गई। वे दस-पंद्रह प्रतिशत झुलसे थे। उपचार के बाद उनकी छुट्टी हो गई है,जबकि सात पुजारियों के शरीर ज्यादा जले है। चिंतामण और सत्यनारायण को डायबीटिज है, इसलिए उनके घाव जल्दी नहीं भर पा रहे है। दोनो पुजारियों का ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है,ताकि उन्हें घाव न हो। एक पुजारी के हाथ, पैर और गला जला है। उसे उपचार के दौरान आक्सीजन भी लगाई जा रही है। आपको बता दे कि इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती पुजारियों को देखने मुख्यमंत्री मोहन यादव भी आ चुके हैं। उधर मंदिर में हुए हादसे की जांच रिपोर्ट भी आ चुकी है। एक घायल ऑक्सीजन पर घायलों में मनोज शर्मा को ऑक्सीजन पर रखा गया है। नजदीकी रिश्तेदार आशीष शर्मा ने बताया कि पुजारी संजय शर्मा उनके साले हैं। उनका हाथ, पैर और गला जला है। मांसपेशियों में दर्द है लेकिन हालत ठीक है। एक अन्य सत्यनारायण सोनी भी बर्न यूनिट में हैं। वे शुगर पेशेंट है इसलिए उनके इलाज पर खास ध्यान दिया जा रहा है। 30 मार्च को मरीज कमल को डिस्चार्ज कर दिया गया था। रविवार को सोनू राठौर, मंगल और एक अन्य को डिस्चार्ज कर दिया गया। ये सभी 5-10% जले थे।

नए शिक्षा सत्र से बेस्ट आफ फाइव योजना बंद

अब 10वीं में सभी विषयों में होना होगा पास

इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा 10वीं के लिए कुछ साल पहले शुरू की गई बेस्ट आफ फाइव योजना को बंद कर दिया है। दरअसल मंडल की 2017 में आयोजित हुई 10वीं की बोर्ड परीक्षा में आधे से अधिक परीक्षार्थी फेल हो गए थे। इसके बाद मंडल ने 10वीं में बेस्ट आफ फाइव योजना को लागू किया था। इसमें किसी भी किसी एक विषय में फेल होने पर भी परीक्षार्थी पास कर दिया जाता था। परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए माशिमं ने नौवीं और 10वीं में बेस्ट फाइव योजना लागू की थी। इसमें परीक्षार्थी सभी छह विषय की परीक्षा में शामिल होते थे, लेकिन सर्वाधिक पांच अंक लाने वाले विषयों के नंबर जोड़कर रिजल्ट घोषित किया जाता था, जबकि सबसे कम अंक आने वाले विषय को रिजल्ट में शामिल नहीं किया जाता था। बेस्ट ऑफ फाइव लागू होने के बाद 10वीं के वर्ष 2018 के रिजल्ट में काफी सुधार आया, लेकिन योजना का असर यह हुआ कि विद्यार्थियों ने गणित, विज्ञान व अंग्रेजी पर ध्यान देना बंद कर दिया। पिछले सालों में 10वीं के गणित व अंग्रेजी में सबसे ज्यादा विद्यार्थी फेल हुए। इसी कारण से नए शिक्षा सत्र से इस योजना को बंद कर दिया गया है।

गणित में होगा विकल्प

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस शिक्षा सत्र से पहली बार 10वीं के विद्यार्थियों को सामान्य गणित व उच्च गणित का विकल्प दिया जाएगा। इस संबंध में माशिमं सचिव केडी त्रिपाठी ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दरअसल माशिमं ने उच्च गणित और सामान्य गणित का सत्र 2023-24 में नौवीं कक्षा से लागू किया है।

राजस्थान की तरफ से आने वाली हवा से इंदौर और आसपास के इलाकों में बढ़ सकती है गर्मी

अप्रैल में 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है इंदौर का पारा

इंदौर। अप्रैल आते ही इंदौर में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। सूरज के तेवर और तीखे होंगे। इससे गर्मी बढ़ने का अनुमान जताया जा रहा है। बादल छाए रहने से भले ही थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन यह स्थिति सप्ताह में एक या दो दिन होगी। वैसे गर्मी बढ़ने से पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। फिलहाल मौसम विभाग ने 40 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहने का अनुमान लगाया है। राजस्थान की तरफ से आने वाली हवा से इंदौर और आसपास के इलाकों में गर्मी बढ़ सकती है। बादलों छाए रहने से सप्ताह के शुरूआती दिन तीन दिन तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बुधवार के बाद तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सूरज के तेवर तीखे होने के साथ ही चिलचिलाती धूप भी गर्मी बढ़ाएंगी। पारा 39 से 40 के बीच रहेगा। लू को लेकर अभी कोई अनुमान नहीं अभी मौसम विभाग ने इंदौर में लू चलने के बारे में कोई अनुमान नहीं लगाया है। स्थिति सामान्य रहेगी, जिसमें सप्ताह के अंत में तापमान में उछाल रहेगा। भोपाल मौसम केंद्र के मुताबिक इंदौर में बादल छाए रहेंगे।

इस हफ्ते ऐसा रह सकता है तापमान

1 अप्रैल - 39 डिग्री सेल्सियस
2 अप्रैल - 38 डिग्री सेल्सियस
3 अप्रैल - 39 डिग्री सेल्सियस
4 अप्रैल - 40 डिग्री सेल्सियस
5 अप्रैल - 38 डिग्री सेल्सियस
6 अप्रैल - 37 डिग्री सेल्सियस

रविवार को दिन के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट

इंदौर में रविवार को दिन के पारा में एक डिग्री गिरावट के साथ 36.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पिछले दो दिनों दिन और रात का तापमान स्थिर रहा। वहीं रात का तापमान सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा बना हुआ है। इस दौरान रात को गर्मी ज्यादा सता रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दो दिनों से बादलों के छाने से तापमान में गिरावट आई है। अगले हफ्ते फिर सिस्टम बदलेगा और गर्मी का असर बढ़ने लगेगा। शुक्रवार को दिन का तापमान 37.4 (+1) डिग्री और रात का तापमान 22.8 (+4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। शनिवार को दिन का तापमान 37.4 (+1) डिग्री और रात का तापमान 22.6 (+4) डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को धूप खिलने के साथ बीच-बीच में बादलों के छाने का दौर चलता रहा।

सिंगल कॉलम

सऊदी में बिगड़ा मौसम, अपनों की फिक्र में परिजन कर रहे दुआ

भोपाल। बेमौसम की बारिश, आंधी और हवाओं ने सऊदी अरब का वातावरण बिगाड़ दिया है। गुरुवार से सोमवार तक के लिए जारी किए गए सरकारी अलर्ट ने दुनियाभर के उन लोगों को परेशान कर दिया है जो हाल ही में सफर ए उमराह के लिए सऊदी अरब पहुंचे हैं। इधर, अपनों की फिक्र में राजधानीवासी खैर की दुआओं में जुट हुए हैं। सऊदी अरब में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है। तेज हवाएं, ओलों के साथ बारिश से यहां बाढ़ के हालात बने हुए हैं। इसके चलते सऊदी सरकार के डिफेंस निदेशालय ने अलर्ट जारी किया है। कहा गया है कि सोमवार तक यहां मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहने वाला है। रियाद में भी पांच दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। इस दौरान यहां मूसलाधार बारिश हो सकती है। निदेशालय ने जनता से सुरक्षित स्थान पर रहने और बाढ़ ग्रस्त इलाकों से दूर रहने के लिए कहा है। फिलहाल मुश्किल हालात नहीं भोपाल से सफर ए उमराह पर पहुंचे सीनियर जर्नलिस्ट डॉ मेहताब आलम ने बताया कि यहां मौसम खराब हुआ है। लेकिन, फिलहाल मुश्किल हालात नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लोग सुरक्षित स्थान पर रहकर अपनी इबादत कर रहे हैं। माह ए रमजान में खास दुआओं के साथ इस खराब समय के टल जाने की पुकार अल्लाह से लगाई जा रही है। माह ए रमजान में उमराह पर सऊदी पहुंचे लोगों के परिजन अपनों की फिक्र कर रहे हैं। वे सभी मुसाफिरों के लिए खैरियत की दुआएं कर रहे हैं। शिक्षक इरफान पठान ने कहा कि मक्का मदीना की जियारत के लिए पहुंचे मुसाफिर अल्लाह के मेहमान हैं। अल्लाह उनकी इबादतों को भी कुबूल करेंगे और उनकी हिफाजत भी करेंगे।

निगम ने चालू वित्त वर्ष के आखिरी दिन वसूले 14 करोड़

भोपाल। नगर निगम ने चालू वित्त वर्ष के आखिरी दिन 14 करोड़ से अधिक की राजस्व वसूली की। इस तरह निगम ने इस वर्ष करीब 350 करोड़ रुपये से ज्यादा की वसूली की जो तय आंकड़े से करीब 75 करोड़ रुपये कम है। दरअसल नगर निगम ने चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 425 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य रखा था लेकिन पूरे वर्ष सरकारी योजनाओं पर काम करने के चलते राजस्व अमला तय लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया। रविवार को वसूली का आखिरी दिन था लिहाजा निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण ने राजस्व वसूली कार्य का औचक निरीक्षण किया और जोनल अधिकारियों एवं वार्ड प्रभारियों से विभिन्न मदों में की गई राजस्व वसूली व बकायादारों से किए गए संपर्क आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की।अधिक से अधिक राजस्व वसूली करने तथा करों की अदायगी करने आने वाले करदाताओं को राजस्व भुगतान सुविधापूर्ण ढंग से कराने के निर्देश दिए। इसके चलते निगम कार्यालय करीब रात नौ बजे तक खुले रहे।

जोनल अधिकारी और वार्ड प्रभारी को जारी किया नोटिस

निगम आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 35 बरखेड़ी में वार्ड कार्यालय के आसपास कचरे के ढेर पाए जाने और नालियां कचरे से भरी हुई पाए जाने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए सहायक स्वास्थ्य अधिकारी जोन क्रमांक सात योगेश दुबे, वार्ड प्रभारी वार्ड क्रमांक 35 एहसान अली एवं प्रभारी स्वास्थ्य पर्यवेक्षक वार्ड क्रमांक 35 दीपक जैनवार को कारण बताओ नोटिस जारी किए है। निगम आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 23 में राजस्व एवं संपत्तिकर वसूली संतोषजनक न पाए जाने, वार्ड में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा वसूली संबंधी जानकारी उपलब्ध न करा पाने तथा वार्ड कार्यालय में समुचित साफ-सफाई व्यवस्था नहीं होने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए जोनल अधिकारी जोन क्रमांक पांच राजभान त्रिपाठी एवं वार्ड प्रभारी वार्ड क्रमांक 23 एहसान रजा जैदी को कारण बताओ नोटिस जारी किए है। निगम आयुक्त ने जोन क्रमांक पांच के अंतर्गत वार्ड 19 में निरीक्षण के दौरान बालविहार रोड स्थित बालविहार शापिंग काम्प्लेक्स के समीप एवं नाले के पास अंदर कचरे के ढेर पाए जाने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी स्वास्थ्य पर्यवेक्षक वार्ड 19 अनिल कुमार श्रवण को कारण बताओ नोटिस जारी किया है वहीं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी को चेतावनी देते हुए तत्काल साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें।

पानी के गड्ढे में आठवीं कक्षा के छात्र का शव मिला

भोपाल। कोलार के सांई नाथ कॉलोनी में रहने वाले 14 साल के आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले लापता छात्र की पुलिस ने शनिवार सुबह शव बरामद कर लिया है। वह शनिवार को रंगपंची के मौके पर दोस्तों के साथ रंग खेलने का बोलकर घर से निकला था। इसके बाद चार दोस्तों के साथ महाबली नगर स्थित कलिया सोत पुल के नीचे पानी के गड्ढे में नहाने गया। एसआइ सुनील माधव सिंह परिहार के मुताबिक कि सांई नाथ कॉलोनी में सुनील पाटिल रहते हैं। उनका बेटा अक्षत पाटिल (14) आठवीं कक्षा का छात्र था। शनिवार को रंग पंचमी पर कॉलोनी के दोस्तों के साथ रंग खेल रहा था।

भाजपा ने प्रदेश में महिला प्रतिनिधित्व भी बढ़ाया, 29 में से छह सीटों पर महिला को बनाया प्रत्याशी

भाजपा ने 10 नए चेहरों पर लगाया दांव, तीन महिलाएं भी पहली बार चुनावी मैदान में

भोपाल। भाजपा ने प्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों का चेहरा साफ कर दिया है। इस चुनाव में 10 नए चेहरों पर भी पार्टी ने दांव लगाया है। तीन महिलाओं को पहली बार भाजपा में प्रत्याशी बनाकर चुनावी मैदान में उतारा है। इनमें बालाघाट में भारती पारधी, सागर में लता वानखेड़े और रतलाम में अनिता नागर सिंह चौहान चुनाव लड़ रही हैं।

10 नए चेहरों में पांच ओबीसी प्रत्याशियों को मौका दिया गया है। कांग्रेस से गुना में पिछला चुनाव लड़ने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने के बाद पार्टी उन्हें गुना संसदीय सीट से ही पहली बार चुनाव लड़ा रही है। कमल नाथ के पुत्र नकुल नाथ के सामने भाजपा ने विवेक बंटी साहू को पहली बार लोकसभा चुनाव में उतारा है। हालांकि, ये बात अलग है कि वे दो विधानसभा चुनाव हार चुके हैं, लेकिन पार्टी ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है। इधर, भाजपा ने इस बार महिला प्रतिनिधित्व भी बढ़ाया है। 29 में से छह संसदीय सीट पर महिला प्रत्याशी उतारे हैं।

चुनाव प्रचार के लिए मिलेंगे महज 17 दिन

चार सीटों पर उतारे गए नए चेहरों को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए महज 17 दिन का ही मिलेंगे। इनमें सीधी में राजेश मिश्रा, जबलपुर में आशीष दुबे, छिंदवाड़ा में विवेक बंटी साहू और बालाघाट में भारती पारधी को स्वयं और पार्टी के प्रति जनता के मन में विश्वास जगाना होगा। मंडला, शहडोल के साथ ही इन चार सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होना है, ऐसे में पार्टी ने भी यहां पूरी ताकत झोंक दी है।

नए चेहरों को जिताने बड़े नेताओं को भी सौंपी जिम्मेदारी

नए चेहरों को जिताने के लिए पार्टी ने बड़े नेताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी है। विवेक बंटी साहू को जिताने के लिए पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और राज्य सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय छिंदवाड़ा में समय बिता रहे हैं। उनके साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी सभाएं की हैं। यह एकमात्र ऐसी संसदीय सीट है जहां भाजपा को लंबे समय से पराजय का सामना करना पड़ रहा है। यह कमल नाथ का गढ़ माना जाता है।

भाजपा के नए चेहरे

संसदीय सीट-- प्रत्याशी

छिंदवाड़ा -- विवेक बंटी साहू (ओबीसी)

बालाघाट -- भारती पारधी (ओबीसी)

मुरैना -- शिवमंगल सिंह तोमर

ग्वालियर -- भरत सिंह कुशवाह (ओबीसी)

सागर -- लता वानखेड़े

दमोह -- राहुल लोधी (ओबीसी)

सीधी -- राजेश मिश्रा

जबलपुर -- आशीष दुबे

होशंगाबाद -- दर्शन चौधरी (ओबीसी)

भोपाल -- आलोक शर्मा

रतलाम (एसटी) -- अनिता नागर सिंह चौहान

खरीदी में की गई गड़बड़ी की शिकायत पर आर्थिक अपराध शाखा ने की कार्रवाई

तत्कालीन अपर कलेक्टर एवं सीएमएचओ समेत 13 के खिलाफ केस दर्ज

फाइनेंशियल बीड के मूल प्रारूप में हेराफेरी कर एक ही परिवार की कई फर्मों को दे दिया ठेका

भोपाल। अनूपपुर में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा की गई खरीदी में गड़बड़ी की शिकायत के पश्चात आर्थिक अपराध शाखा रीवा ने सख्त कार्रवाई की है। इस मामले में तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं अपर कलेक्टर सहित क्रय समिति में शामिल कुल अधिकारियों कर्मचारियों के विरुद्ध धारा 420, 409, 120बी एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा13(1)(ए) एवं 13(2) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता योगेंद्र सिंह तोमर निवासी कोलार रोड भोपाल के द्वारा आर्थिक अपराध शाखा रीवा में शिकायत दर्ज कराई थी कि कि निविदा क्रमांक सीएमएचओ 2019.20.3032 में निविदा के फाइनेंशियल बीड के मूल प्रारूप में हेरा फेरी करते हुए एक ही परिवार के कई फर्म को इसका ठेका देकर आर्थिक अपराध को अंजाम दिया गया। जिसकी जांच के लिए आर्थिक अपराध शाखा रीवा के द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पहुंचते हुए दस्तावेज भी जप्त किए गए थे। जिसकी जांच के पश्चात इस मामले में 13 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है। इनके विरुद्ध दर्ज हुआ अपराध इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा रीवा के द्वारा तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

अधिकारी डॉ बी डी सोनवानी, स्टोर कीपर रामखेलावन पटेल, लेखापाल महेश कुमार दीक्षित, बी डी सिंह तत्कालीन एडीएम अनूपपुर जिनका वर्तमान में निधन हो चुका है, डॉ एस आर परस्ते तत्कालीन सिविल सर्जन, डॉ व्ही पी शुक्ला मेडिकल विशेषज्ञ तत्कालीन बीएमओ जैतहरी, डॉ डीके कोरी निश्चेतना विशेषज्ञ, डॉ मोहन सिंह श्याम, मैसेज साइंस हाउस भोपाल के डायरेक्टर सुनैना तिवारी, जितेंद्र तिवारी अनुजा तिवारी, शैलेंद्र तिवारी एवं महेश बाबू शर्मा सभी निवासी भोपाल गोविंदपुरा के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है। कई गुना ज्यादा दर पर खरीदे गए उपकरण एवं दवाइयां मामले की जांच में आर्थिक अपराध शाखा रीवा के अधिकारियों ने यह पाया है कि क्रय समिति में शामिल सभी सदस्यों के द्वारा उपकरण एवं दवाइयां की खरीदी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। जहां वास्तविक कीमत से कई गुना महंगे दाम पर दवाइयां एवं चिकित्सकीय उपकरण की खरीदी की गई। जिससे शासन को 33 लाख 69 हजार 877 रुपए की आर्थिक क्षति पहुंची है, जिस पर क्रय समिति के सभी सदस्यों के विरुद्ध अपराध दर्ज करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

अयोध्या बायपास, मिसरोद सहित 1443 स्थानों पर प्रापर्टी हुई महंगी

भोपाल। जिले में अयोध्या बायपास, अरेरा कालोनी, मिसरोद, कोलार, सलैया सहित 1443 स्थानों पर आज से यानि एक अप्रैल से मकान, जमीन, प्लाट आदि प्रापर्टी खरीदना महंगा हो गया है। इन स्थानों पर लगभग पांच से 95 प्रतिशत तक प्रापर्टी की दरों में बढ़ोतरी हो गई है।इनमें मिसरोद रोड पर रजिस्ट्री अब सबसे ज्यादा महंगी पड़ेगी। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की कलेक्टर गाइडलाइन में 3900 स्थानों में से लगभग एक तिहाई 1443 स्थानों पर दरों में बढ़ोतरी की गई है।

कोलार, सलैया, अयोध्या बायपास और मिसरोद में 25 से लेकर 95 प्रतिशत तक दाम बढ़ाए गए हैं। सबसे ज्यादा मिसरोद के कोरल वुड्स के मुख्य मार्ग पर प्रति वर्ग मीटर 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। पहले यहां रहवासी प्लाट की कीमत 44 हजार रुपये वर्ग मीटर थी, जो अब नई दरों में 70 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर है। मिसरोद वार्ड 52 के दृष्टि ऐनक्लेव, बावड़िया कलां में 44.23 प्रतिशत, होशंगाबाद रोड पर चिनार सफायर में 42.04, कोलार के कान्हा कुंज ग्राम गेहूंखेड़ा में 42.04, अयोध्या नगर में हाउसिंग बोर्ड के सभी फेज 40.10, अयोध्या नगर के सुरभि परिसर में 40, मिसरोद वार्ड 52 में होशंगाबाद रोड से हटकर कम्फर्ट ऐनक्लेव, खनूजा ऐनक्लेव और लक्ष्मी परिसर में 38.88 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

इन क्षेत्रों में हो रहा ज्यादा विकास

इस समय राजधानी में लगभग 68 प्रतिशत स्थानों पर अच्छी रजिस्ट्री हो रही है, इसमें कई नए व्यवसायिक क्षेत्र भी तैयार हो रहे हैं। इसमें 900 से ज्यादा स्थान हैं। प्रमुख स्थानों में बावड़ियाकलां, नर्मदापुरम, विद्या नगर, नीलबड़, रातीबड़, कटारा, 11 मील, जाटखेड़ी, सलैया, सैमरा रोड व अन्य क्षेत्र हैं। यहां अच्छी रजिस्ट्री हो रही हैं और बढ़त भी काफी अच्छी है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 कलेक्टर गाइडलाइन एक नजर में

जिले में कुल क्षेत्र - 3900

वृद्धि किए जाने वाले ग्रामीण क्षेत्र - 215

वृद्ध किए जाने वाले शहरी क्षेत्र - 1228

वृद्धि किए जाने वाले कुल क्षेत्र - 1443

प्रापर्टी की दरों में वृद्धि प्रतिशत

शहरी क्षेत्र - 8.9 प्रतिशत

ग्रामीण क्षेत्र - 5.48 प्रतिशत

औसत - 7.19 प्रतिशत

कुल क्षेत्र जहां वृद्धि नहीं की जा रही - 2457

नई जोड़ी जाने वाली कालोनियों की संख्या - 22

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के मार्गदर्शन में सारिका ने ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया विशेष जागरूकता कार्यक्रम

ग्रामीणों को लोकनृत्य के माध्यम से वोट देने के लिए किया जा रहा जागरूक

भोपाल। आगामी लोकसभा चुनावों में सभी वर्गों की अधिकाधिक भागीदारी के लिये स्वीप आईकॉन सारिका घारू मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के मार्गदर्शन में आदिवासी ग्रामों में लोकनृत्य के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है । इसमें नवमतदाताओं के साथ ही महिलाओं एवं दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को शतप्रतिशत मतदान के

लिये प्रेरित किया जा रहा है । कार्यक्रम में सारिका ने बताया कि दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को मतदान केंद्र पर रैंप और व्हीलचेयर, ब्रेलिपि युक्त ईवीएमवीएम, विशेष वालेंटियर, इन्हें मतदान के लिये प्रवेश में प्राथमिकता, दिव्यांग जनों के लिये परिवहन सुविधा जैसी अनेक व्यवस्थायें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है ।

.कांग्रेस ने शुरू किया 'एक वोट, एक नोट' अभियान, जनता से मांग रही चंदा

पटवारी बोले- भाजपा को सबक सिखाएगी जनता

भोपाल। इनकम टैक्स ने कांग्रेस के खातों को फ्रीज कर कांग्रेस को करोड़ो रुपए की वसूली का नोटिस जारी किया है। इसके विरोध में रविवार को कांग्रेस ने अनूठा प्रदर्शन कर जनता से चंदा मांगने का अभियान शुरू किया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कांग्रेसियों के साथ रोशनपुरा चौराहे पहुंचे और लोगों से एक वोट, एक नोट देने की अपील की। उनके साथ भोपाल से लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने भी दुकान मालिकों से चंदा मांगा। कांग्रेस को दुकानदारों ने 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक चंदा दिया।

इस अवसर पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खाते बीच चुनाव में सीज करने और इंडिया गठबंधन के नेताओं और मुख्यमंत्रियों

को जेल भेजने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने एक वोट, एक नोट का अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरे प्रदेश में चलेगा। देश में तानाशाही सरकार चल रही है। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस इनसे डरने वाली नहीं है। हम मौजूदा सरकार की ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स को आगे कर निर्दोष लोगों को डराने की नीति को जनता के बीच लेकर जाएंगे। पटवारी ने कहा कि भाजपा को जनता सबक सिखाएगी। आयकर नोटिस को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस कांग्रेस चुनाव में अपने अभियान में कांग्रेस के खाते फ्रीज होने और इनकम टैक्स विभाग की तरफ से भेजे गए 1823 करोड़ रुपए के नोटिस को जनता के बीच लेकर जाएगी और मुद्दा बनाएगी। भोपाल संसदीय सीट भाजपा का गढ़ है। इस सीट पर विधानसभा की आठ सीटें आती है, जिनमें से 6 भाजपा और दो कांग्रेस के पास है। भोपाल संसदीय सीट पर 1989 से लगातार भाजपा चुनाव जीतते आ रही है। इस बार भाजपा ने सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर का टिकट काट कर पूर्व महापौर आलोक शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। उनके सामने कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव है।

संपादकीय

बदतर होती जा रहीं पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याएं

पाकिस्तान में दो वारदातें ऐसी हुई हैं, जिनका निशाना चीनी नागरिकों की तरफ लगता है। पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याएं एक बार फिर बदतर होती जा रही हैं। एक घटना बीते सोमवार को हुई, जब बलोच मुक्ति सेना के चरमपंथियों ने पाकिस्तान के नौसेना बेस पीएनएस सिद्धिक में घुसने की कोशिश की। यह खबर जानबूझ कर छिपा दी गई, अलबत्ता इसके फलितार्थ बेहद गंभीर हो सकते थे। यह हमलानुमा प्रयास ग्वादर बंदरगाह क्षेत्र पर किए गए हमले के करीब एक सप्ताह बाद किया गया। हालांकि सुरक्षा बलों ने हमले को नाकाम कर दिया। ग्वादर चीन पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर का केंद्रीय स्थान है, जबकि नौसेना बेस चीनी ड्रोन्स का आतिथ्य करता है। यदि बलोच चरमपंथी नौसेना अड्डे में घुसने में कामयाब हो जाते, तो न जाने क्या हो सकता था? पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र-खैबर पख्तूनख्वा-में बलोच मुक्ति सेना अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रही है। खनिजों से सम्पन्न बलूचिस्तान पाकिस्तान के व्यवहार, रवैये और वहां की हुकूमत को साम्राज्यवादी करार देता रहा है। वहां के चरमपंथी पाकिस्तान की फौज पर भी हमले करते रहे हैं। चूंकि आर्थिक कॉरिडोर को बलोच चरमपंथी पाकिस्तान के औसत गरीब को लूटने वाली परियोजना मानते रहे हैं। इससे फौज के जनरलों के संभ्रांत वर्ग को ही फायदा है, क्योंकि उन्हें करोड़ों डॉलर के नए कर्ज चीन से मिलते रहे हैं। बहरहाल दूसरी वारदात एक आतंकी हमले सरीखी थी। बीते मंगलवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में एक आत्मघाती हमले में चरमपंथियों ने 5 चीनी इंजीनियरों और एक पाकिस्तानी वाहन चालक को मार दिया। हमलावरों ने विस्फोटकों से भरे वाहन से उनकी गाड़ी को टक्कर मारी और विस्फोट जानलेवा साबित हुआ। चीनी इंजीनियर एक पनबिजली परियोजना पर काम कर रहे थे। हमला उस वक्त किया गया, जब वे इस्लामाबाद से कोहिस्तान की ओर जा रहे थे। आत्मघाती हमले से साफ है कि पाकिस्तान में आर्थिक कॉरिडोर के लिए सब कुछ ठीक नहीं है। चरमपंथी हुकूमत और फौज के प्रिय दोस्तों, चीनियों को, भी निशाना बना रहे हैं। हालांकि ऐसे चीनी इंजीनियरों को पाकिस्तान में पर्याप्त सुरक्षा-व्यवस्था मुहैया कराई जा रही है, लेकिन हमले रुक नहीं पा रहे हैं। 2023 में भी ग्वादर में चीनी नागरिकों पर हमला किया गया था, जिसमें चार चीनी मारे गए थे। पाकिस्तान आतंकवाद को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने में मास्टर है। बलोच मुक्ति सेना वर्षों से इस्लामाबाद के लिए कांटा साबित होती रही है। पाकिस्तान के लिए आतंकवाद कई मायनों में स्वीकार्य है। हालांकि वहां भी आतंकवाद ने हजारों मासूम नागरिकों की जिंदगी छीनी है, फिर भी आतंकी हमलों से पाकिस्तान न तो चिंतित होता है और न ही बेचैन होता है। अब चीनी इंजीनियरों की हत्या को लेकर पाकिस्तान अपनी पुरानी दलीलें दे सकता है, लेकिन चीन भी उससे विमुख नहीं हो सकता, क्योंकि कॉरिडोर पर अरबों डॉलर खर्च किए जा चुके हैं और यह चीन के लिए बेहद महत्वाकांक्षी परियोजना है। पाकिस्तान के नौसेना और हवाई सेना के कई अड्डों पर चीन का अघोषित कब्जा है। यह रणनीतिक तैनाती भी वह छोड़ नहीं सकता। पाकिस्तान आतंकवाद के कई अन्य मोर्चों पर नाकाम रहा है। मसलन-इस्लामाबाद से नवंबर, 2022 में युद्धविराम समाप्त होने के बाद पाक तालिबानियों ने हमलों की रफ्तार बढ़ा दी है। जब अफगानिस्तान में तालिबान की हुकूमत बन रही थी, तब पाकिस्तान बहुत उछल रहा है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने जंजीरों के टूटने की बात कही थी। तब पाकिस्तान तालिबानी लड़ाकों को प्रशिक्षण देने के पक्ष में था। अब वही तालिबान पाकिस्तान के लिए भस्मासुर बने हैं। चीन को एहसास है कि उसने पाकिस्तान को जितना कर्ज दिया है, उसकी वापसी मुनासिब नहीं है, लेकिन चीन सार्वजनिक तौर पर यह कबूल भी नहीं कर सकता। उसे यह भी पता है कि पाकिस्तान सभी मौसमों के लिए उसका दोस्त है, तो सभी मौसमों की मुसीबत भी है। भारत ने पाकपरस्त घुसपैठ और आतंकी हमलों पर बहुत-सी बंदिशें लगा दीं। अब देखना है कि हालिया हमलों और हत्याओं का संज्ञान चीन किस तरह लेता है?

भारत को अमरीका का हस्तक्षेप मंजूर नहीं

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर की गईं कुछ टिप्पणियों के विरोध में अमरीका के एक वरिष्ठ राजनयिक को भारत द्वारा तलब किए जाने पर वाशिंगटन ने दोहराया था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले में अमरीका को उसी के लहजे में सख्त जवाब देकर भारत ने बता दिया है कि भारत के अंदरूनी मामलों में किसी भी देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वे मित्र देश ही क्यों न हों। कड़ा जवाब देकर भारत ने अमरीका को यह भी समझा दिया कि दोस्ती की आड़ में बांह मरोड़ने का प्रयास दोनों देशों के रिश्तों में दरार डाल सकता है। ऐसा करने पर भारत-अमरीका के रिश्तों पर फर्क पड़ सकता है। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर की गईं कुछ टिप्पणियों के विरोध में अमरीका के एक वरिष्ठ राजनयिक को भारत द्वारा तलब किए जाने पर वाशिंगटन ने दोहराया था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है। अमरीका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था मैं किसी निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन निश्चित रूप से, हमने सार्वजनिक रूप से जो कहा है, वही मैंने यहां से कहा है कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए। यही बात हम निजी तौर पर स्पष्ट कर देंगे। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमरीकी दूतावास की कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बरबेना को तलब किया था, अमरीकी विदेश विभाग की टिप्पणी को अनुचित करार देते हुए कहा था कि उसे अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है और वह इन्हें किसी भी प्रकार के अनावश्यक बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में अमरीकी डिप्लोमैट ग्लोरिया बारबेना को तलब किया था। मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानूनी कार्रवाई पर अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान गलत है। कूटनीति में उम्मीद की जाती है कि देश एक-दूसरे के आंतरिक मसलों और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। अगर दो देश लोकतांत्रिक हों तो इसकी उम्मीद और बढ़ जाती है, नहीं तो अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। केजरीवाल मुद्दे पर अमरीका की तरफ से आए दूसरे बयान पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमरीका के बयान पर भारत पहले ही आपत्ति जता चुका है। उसका ताजा बयान अवांछनीय है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी मुद्दे पर भारत ने अमरीका के साथ ही जर्मनी को करारा जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत में न्याय प्रणाली स्वतंत्र है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित जर्मन दूतावास मिशन के उप प्रमुख जॉर्ज एन्जवीलर को तलब किया। भारत ने जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणी को भारत के आंतरिक मामलों में दखल बताते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि हम ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में दखल और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने अमरीका की सुनने से इंकार कर दिया। इससे पहले अमरीका निवासी खालिस्तानी आतंकी गुरवंत सिंह पन्नू के मामले में भी भारत ने अमरीका को सख्त लहजे में समझाते हुए दर्शा दिया था कि भारत विरोधी कार्रवाई को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। भारत की दोस्ती को अमरीका कमजोरी नहीं समझे। अमरीकी अफसरों ने दो भारतीय नागरिकों पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की विफल साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था। निखिल गुप्ता और एक अनाम सरकारी अधिकारी पर यह आरोप लगाए थे। अमरीका का यह भी दावा है कि यही आरोपी हरदीप सिंह निज्जर के मर्डर की प्लानिंग में भी शामिल थे। इसको लेकर न्याय विभाग ने मैनहैटन अदालत में अभियोग (आरोप पत्र) दर्ज किया था। भारत ने इस मुद्दे पर करारा जवाब देते हुए अमरीका को अपनी जमीन से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित करवाने का आरोप लगाया था। इसी तरह भारत ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा और अमरीका को कड़ा जवाब दिया था। हालांकि इस मुद्दे पर अमरीका ने सीधे कोई हस्तक्षेप नहीं किया। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के निज्जर की हत्या करवाने के आरोपों को खारिज करते हुए करीब दो दर्जन से ज्यादा डिप्लोमेट को बाहर का रास्ता दिखाते हुए अपनी बदली हुई विदेश नीति से वाकिफ भी करा दिया था। भारत के ऐसे सख्त रवैये से कनाडा भौंचक्का रह गया। ट्रूडो ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत ऐसा रवैया भी अख्तियार कर सकता है। भारत ने कनाडा पर खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाया था। भारत पर लगाए निज्जर की हत्या के आरोपों को कनाडा साबित नहीं कर सका। केवल सिक्ख वोट बैंक पाने के लिए कनाडा ने भारत पर यह आरोप लगाया था। इसी तरह भारत ने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप को लेकर तुर्की की भी खिंचाई की थी। कश्मीर के मुद्दे पर भारत-तुर्कीये एक बार फिर से आमने-सामने आ गए थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 55वें सत्र में तुर्किये ने कश्मीर में मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाया और भारत को घेरने का प्रयास किया था। हालांकि, राइट टू रिप्लाई के तहत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने तुर्किये को जवाब देते हुए कहा कि हमें दुख है कि तुर्किये ने भारत के आंतरिक मामले पर टिप्पणी की। उम्मीद है कि वह आगे इस तरह के गैर-जरूरी बयान से बचेगा। वैसे तुर्किये द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाना कोई पहला वाक्या नहीं है। तुर्किये पहले भी कई बार कश्मीर का राग अलाप चुका है। भारत ने हर बार तुर्की को इसी तरह जवाब दिया है। आश्चर्य की बात यह है कि अमरीका की पूरे विश्व में अब कोई नहीं सुन रहा है। इजराइल ने भी अमरीका को अनसुना करके हमास से युद्धविराम करने से साफ इंकार कर दिया। इसी तरह यूक्रेन युद्ध के मामले में अमरीका की नीति विफल साबित हुई। फ्रांस ने साफ कह दिया कि वह अमरीका का पिछलग्गू नहीं बनेगा। हालत यह है कि अमरीका अपना घर संभालने के बजाय दूसरे मुल्कों में टांग अड़ाने से बाज नहीं आ रहा है। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने एक बयान में कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक और 6 चाहते हैं।

यह बयान ट्रंप के द्वारा शनिवार को दिए गए बयान के बाद आया है, जिसमें ट्रंप ने खून-खराबे का जिक्र किया था। इस बयान की निंदा करते हुए प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि अमरीका के नागरिक ट्रंप को इस नवंबर में एक और चुनावी शिकस्त देने जा रहे हैं, क्योंकि वे उनके उग्रवाद, हिंसा के प्रति लगाव और बदला लेने की उनकी प्यास को लोग खारिज करते रहेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने उस वक्त बयान दिया, जब उन्होंने अमरीका के बाहर बनी कारों पर 100 प्रतिशत टैरिफ का वादा किया। ओहियो के डेटन के पास एक रैली को संबोधित करते हुए, ट्रम्प ने कहा कि हम लाइन में आने वाली हर एक कार पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने जा रहे हैं।

अगर मैं नहीं चुना गया, तो देश में खून-खराबा होगा। अमरीका को यह समझना होगा कि बदली वैश्विक परिस्थितियों में भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व कर रहा है। यही वजह है कि भारत इंडिया फर्स्ट की नीति के तहत विदेश नीति पर अमल कर रहा है। अमरीका की मजबूरी चीन के मामले में भारत को साथ लेने की है। भारत में ही चीन का मुकाबला करने की काबलियत है। इसके अलावा अमरीका और भारत के व्यापारिक रिश्ते लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में घरेलू मामलों में अमरीका या किसी दूसरे पश्चिमी देशों की किसी तरह की टीका-टिप्पणी को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा।

ग्लैमर की दुनिया से राजनीति के मैदान में... अभी कंगना रनौत को सीखना होगा राजनीति का ककहरा

उन्नीसवीं सदी के विक्टोरियन यथार्थवादी दार्शनिक थॉमस हार्डी के अवसर और नियति के दर्शन के अनुरूप एक अनजान दुनिया में खुद को स्थापित करना उनका अकल्पनीय सपना था। इसलिए वह फिल्म उद्योग में अपनी किस्मत आजमाने मुंबई की खतरनाक यात्रा पर निकल पड़ीं, जहां वह विजयी होकर उभरीं। कंगना के लिए मुंबई की ग्लैमरस जिंदगी से अनिश्चित राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखना पूर्वनिर्धारित लगता है, जो उन्हें अपने पहाड़ी राय के लोगों की सेवा का अवसर दे सकता है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के भांबाला गांव की लड़की कंगना रनौत की इतनी बड़ी सफलता का श्रेय उनके दृढ़ संकल्प, प्रतिबद्धता और इच्छाशक्ति को दिया जा सकता है। बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक और हिंदुत्व विचारधारा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कट्टर समर्थक कंगना रनौत मंडी लोकसभा सीट से राजनीति के नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं, जिससे मुकाबला फिल्मी अंदाज में पलट सकता है। लगता है कि कंगना ने अपने कॉरिअर की दूसरी पारी के लिए अपने पत्ते अच्छे से खेले और भाजपा के उन वरिष्ठ नेताओं को पछाड़ दिया, जो दशकों से पार्टी के प्रति समर्पित थे। कंगना ने अपने परिवार से विद्रोह किया, जो उनके बॉलीवुड में जाने के खिलाफ थे, क्योंकि फिल्म उद्योग अनिश्चितताओं एवं दुविधाओं से भरा है, भले ही अवसर काफी हों। कंगना के माता-पिता चाहते थे कि वह डॉक्टर बने, लेकिन उन्होंने मेडिकल प्रवेश परीक्षा ही नहीं दी। कम आय होने पर रोटी एवं अचार पर गुजारा करने के बावजूद उन्होंने बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। हालांकि मुंबई में अपना घर नहीं होने और बढ़ते कर्ज के कारण उनके जीने का संघर्ष बढ़ गया था। कंगना स्पष्टवादी इंसान हैं, जो खुद को जिद्दी और विद्रोही बता सकती हैं। कंगना रनौत को आगे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सक्रिय राजनीति फिल्मी परी कथाओं जैसी नहीं होती है। अनिवार्य रूप से मतदाता उनसे एक पूर्णकालिक राजनेता होने की उम्मीद करेंगे। इसके लिए उन्हें मंडी को अपना स्थायी निवास स्थान बनाना होगा, ताकि लोग उनसे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए संपर्क कर सकें। विश्लेषकों का मानना है कि राजनीति का अनुभव नहीं होने के कारण उन्हें असाधारण मेहनत करनी होगी, हालांकि मोदी के करिश्मे और भारी लोकप्रियता से यह संभव हो सकता है। साथ ही, उन्हें भाजपा के अनुशासित कार्यकर्ताओं, विशाल संसाधनों और आरएसएस की चुनावी मशीनरी का समर्थन भी मिलेगा। 2021 में हुए मंडी लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस की प्रतिभा सिंह ने भाजपा से यह सीट छीन ली थी, जो मुख्यत: दिवंगत वीरभद्र सिंह के प्रति सहानुभूति के कारण थी, लेकिन राजनीतिक माहौल अब बदल गया है, क्योंकि कांग्रेस अव्यवस्थित है, जिससे कंगना को फायदा हो सकता है। यह एक संयोग ही था कि कंगना को उनके 37वें जन्मदिन पर 23 मार्च को मंडी लोकसभा सीट से टिकट दिए जाने की खुशखबरी मिली। खुद को दक्षिणपंथी विचारधारा से जोड़ने वाली और कट्टर मोदी समर्थक बताने वाली कंगना का आरएसएस से घनिष्ठ संबंध रहा है। यही वजह है कि राजनीति का अनुभव नहीं होने के बावजूद पार्टी ने उन्हें टिकट दिया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी हिमाचल प्रदेश से हैं और कंगना को टिकट दिलाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा उन्हें केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का भी समर्थन हासिल है, जो राय के हमीरपुर जिले के हैं। सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने की अपनी महत्वाकांक्षा पूरी होने के बाद बेहद उत्साहित कंगना ने कहा, मैं अपने जन्मस्थान हिमाचल प्रदेश से चुनाव लड़ने का मौका देने के लिए भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त करती हूं। कंगना और विवाद एक-दूसरे के पर्यायवाची हो गए हैं। अक्सर वह अपने विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में रहती हैं। बार-बार उल्लंघन के कारण ट्वीटर ने भी उनके खाते को स्थायी रूप से निलंबित कर दिया था, लेकिन बाद में प्रतिबंध हटा लिया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि राजनीति में नवागंतुक होने के कारण कंगना को अपनी फिल्मी शैली से दूर रहना होगा और जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के साथ घुलना-मिलना होगा, ताकि उन्हें लगे कि वह एक आम आदमी की तरह हैं, न कि बॉलीवुड की फिल्म स्टार। उन्हें अपने व्यक्तित्व में इस तरह के बदलाव से गुजरना होगा, जो एक सफल राजनीतिज्ञ बनने के लिए अनिवार्य है।

बड़ी शक्तियों से परे भी एक दुनिया है...

फिलीपीन के बहाने पश्चिम को व्यापक संदेश

दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन के क्षेत्रीय दावे पर चीन के आक्रामक रुख से भारत को अरुणाचल प्रदेश में अपनी संप्रभुता पर चीन के अतिक्रमण के खिलाफ पलटवार करने का अवसर मिला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा द्वारा चीनी डेवलपर बाइटडांस की सोशल मीडिया सेवा टिकटॉक पर प्रतिबंध को मंजूरी देने से निराश बीजिंग अचानक अपने राष्ट्रवादी रुख के प्रति संवेदनशील हो गया है और पड़ोस में अपने क्षेत्रीय दावों के प्रति कठोर रवैया अपना रहा है। अरुणाचल प्रदेश पर दावा जताने के तुरंत बाद चीन दक्षिण चीन सागर में स्थित स्प्रैटली द्वीप समूह में फिलीपीन की संप्रभुता को कमजोर करने के अपने मंसूबों को लेकर काफी आक्रोश में है। चीन की इस नई आक्रामकता का भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खुला विरोध किया है, जो दक्षिण पूर्व एशिया के तीन देशों के दौरे पर थे। विगत 26 मार्च को मनीला की यात्रा के दौरान उन्होंने दक्षिण चीन सागर के द्वीपों पर फिलीपीन के दावों के बारे में उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के प्रति भारत के समर्थन को दृढ़ता से दोहराया। उन्होंने कहा कि समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीएलओएस) को समुद्र का संविधान माना गया है और सभी देशों से आग्रह किया गया है कि वे इसका अक्षरश: एवं भावों में पूरी तरह से पालन करें। दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर करीब से नजर डालते हुए अमेरिकी उप रक्षा मंत्री ने मई, 2015 में सीनेट की बैठक में पुष्टि की कि वियतनाम ने 48 चौकियां स्थापित की हैं, फिलीपीन ने आठ, मलयेशिया ने पांच और ताइवान ने स्प्रैटली द्वीप समूह में एक चौकी स्थापित की है। छोटे पैमाने पर, वियतनाम और फिलीपीन ने दशकों तक द्वीप निर्माण जारी रखा। चीन बदलती जमीनी हकीकत के प्रति देर से जागा, लेकिन उसने अभूतपूर्व पैमाने पर द्वीप निर्माण शुरू किया। वर्ष 2014 से 2016 के बीच चीन ने पूरे इतिहास में अन्य सभी देशों द्वारा निर्मित द्वीपों की तुलना में सबसे यादा नए द्वीपों का निर्माण किया और अपने सैन्य उपकरण भी तैनात किए। विशेषज्ञों ने दक्षिण चीन सागर में चीनी कार्रवाई को धीरे-धीरे नष्ट करने की रणनीति बताया है। दक्षिण चीन सागर में और अधिक गिरावट से बचने के लिए जुलाई 2016 में यूएनसीएलओएस के तहत गठित मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों के खिलाफ फैसला सुनाया। हालांकि चीन और ताइवान, दोनों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे न्यायाधिकरण को नहीं मानते हैं और इस मामले को अन्य दावेदारों के साथ द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। जनवरी, 2022 में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दक्षिण चीन सागर में चीनी दावे को गैर-कानूनी बताया। दक्षिण चीन सागर वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सालाना 33.7 खरब डॉलर मूल्य का व्यापारिक सामान इससे होकर गुजरता है। चीन के लिए इस क्षेत्र के महत्व को कोई भी समझ सकता है, क्योंकि उसकी 80 प्रतिशत ऊर्जा और देश के कुल व्यापार का अनुमानित 39.5 प्रतिशत दक्षिण चीन सागर से होकर ही गुजरता है। यह क्षेत्र तेल और प्राकृतिक गैस भंडार से समृद्ध है। चीनी भूवैज्ञानिक संसाधन और खनन मंत्रालय के अनुसार, दक्षिण चीन सागर में 17.7 अरब बैरल कच्चा तेल हो सकता है, जो तेल समृद्ध कुवैत के 13 अरब बैरल के भंडार से बड़ा है। ऐसे उच्च महत्व वाले क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार द्वारा अन्य देशों की जल संप्रभुता के उल्लंघन और द्वीपों पर क्षेत्रीय दावे का न सिर्फ भारत ने विरोध किया है, बल्कि फिलीपीन, वियतनाम और इंडोनेशिया सहित कई अन्य एशियाई देशों ने भी विरोध किया है। कई एशियाई देशों की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने वाली चीनी कार्रवाइयों के प्रति भारत की सीधी टक्कर ने हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के प्रति इसकी रणनीति में एक नए मोड़ का संकेत दिया है। नई दिल्ली तेजी से हिंद-प्रशांत के विशाल भौगोलिक क्षेत्रों में समान विचारधारा वाले देशों द्वारा नियम-आधारित व्यवस्था के जरिये चीन पर नियंत्रण करने के विचारों से सहमत होती दिख रही है। कहा जा सकता है कि बीजिंग के आक्रामक एकपक्षवाद को रोकने के लिए भारत हिंद-प्रशांत स्तर पर सहकारी बहुपक्षवाद को कायम कर रहा है। क्षेत्रीय सहयोग में आसियान केंद्रीयता का समर्थन करके भारत ने इस क्षेत्र में न सिर्फ आर्थिक, बल्कि रणनीतिक संबंध बनाने के लिए अपनी एक्ट ईस्ट नीति को पुनर्जीवित किया है। नई दिल्ली आसियान सदस्यों को एक ऐसे संभावित समूह के रूप में देखती है, जो सामूहिक रूप से बीजिंग पर नियम आधारित उदार व्यवस्था का पालन करने के लिए दबाव डाल सकते हैं, जो चीन के क्षेत्रीय अलगाव का कारण बन सकता है। अपनी बदली हुई मानसिकता के तहत भारत ने फिलीपीन के साथ रणनीतिक रूप से खुद को जोड़ा है। भारत ने फिलीपीन को परमाणु-सक्षम सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलें बेचने का फैसला किया, जो भारत-रूस सहयोग का एक उत्पाद है। भारत ने वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ अपनी रणनीतिक निकटता को भी प्राथमिकता दी है। लगता है कि भारत ने बीजिंग का प्रतिकार करने के लिए एक्ट ईस्ट पॉलिसी के ढांचे में उभरती शक्ति कूटनीति को व्यक्त किया है। भारत की उभरती शक्ति कूटनीति हिंद-प्रशांत ढांचे के तहत परिकल्पित वैश्विक रणनीतिक दृष्टि से बेहतर ढंग से मेल खाती है। इस क्षेत्र में कई उभरती हुई शक्तियां हैं, जो हिंद-प्रशांत समूह के भीतर एक छोटा समूह बनाने में सक्षम हैं, और चीन को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकती हैं। एशिया की उभरती शक्तियों में लगातार बढ़ते चीन-अमेरिका विवाद को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की क्षमता है।

तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन फिल्म 'क्रू' ने दो दिन में 18.55 करोड़ रुपये

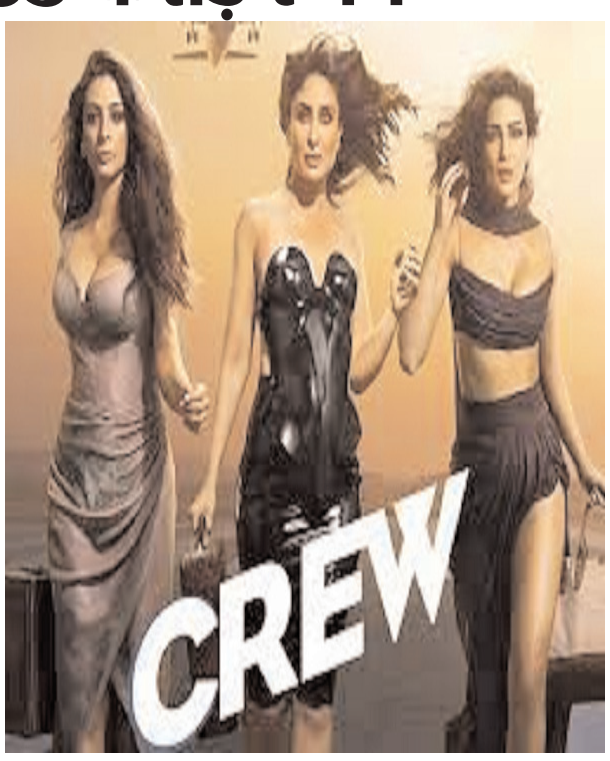

मुंबई ! तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन स्टारर 'क्रू' 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने पहले दिन जबरदस्त कमाई की है। यह 2024 की सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। इस फिल्म में करीना, तब्बू और कृति पहली बार एक साथ आई हैं। फिल्म की दूसरे की कमाई सामने आ गई है।

फिल्म क्रू ने शनिवार को यानी दूसरे दिन देशभर में 9.6 करोड़ की कमाई की है। फिल्म ने पहले दिन भारत में 9.25 करोड़ की कमाई की थी। इस फिल्म ने महज 2 दिन में 18.55 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। यह फिल्म दुनियाभर में लगभग 21 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म का बजट 40-50 करोड़ के बीच में है।फिल्म का निर्देशन राजेश कृष्णन ने किया है और इसमें कपिल शर्मा, दिलजीत दोसांझ, शाश्वत चटर्जी और राजेश शर्मा भी हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की 'शैतान' से क्लैश हो रही है लेकिन फिल्म को तीन हफ्ते हो गए हैं। इसके अलावा कोई और बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हुई है, उसका फायदा इस फिल्म को मिल सकता है।

'वो कभी जाह्नवी का एक्स नहीं बनेगा', पापा बोनी कपूर ने शिखर पहरिया को लेकर बोले

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक हालिया इवेंट में जब जाह्नवी कपूर के बॉयफ्रेंड उनके साथ नजर नहीं आए तो तरह-तरह की बातें उड़नी शुरू हो गईं। अब एक इंटरव्यू में जाह्नवी कपूर के पिता बोनी कपूर के इस इवेंट में शिखर के ना होने की वजह बताई है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया है कि वो शिखर के बारे में क्या सोचते हैं।

जाह्नवी के साथ क्यों नहीं दिखे शिखर पहरिया?

बोनी कपूर ने बताया कि जब तस्वीरें ली जा रही थीं तो क्यों जाह्नवी कपूर अपने बॉयफ्रेंड शिखर के साथ नहीं थीं। दिग्गज फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने कहा, बात बस इतनी सी थी कि वो नहीं चाहता था उसकी तस्वीरें ली जाएं। मुझे नहीं पता कि इसके पीछे वजह क्या थी। शायद वो चाहता था कि मैं लाइमलाइट में आऊं और ऐसा ना हो कि उसके होने से सारा ध्यान उस पर ही चला जाए। उन्होंने कहा शायद इसलिए ताकि हेडलाइन्स शिखर और बोनी के बारे में ना होकर सिर्फ बोनी के बारे में हों।

वो कभी मेरी बेटी का एक्स नहीं बनेगा- बोनी बोनी कपूर ने शिखर पहरिया के बारे में अपना अफेक्शन बयां करते हुए कहा, मुझे वो पसंद है। बल्कि कुछ साल पहले जब जाह्नवी को उससे कोई मतलब नहीं था तब भी मैं उसके साथ काफी फ्रेंडली था। जब बोनी कपूर से शिखर के उनकी बेटी के साथ पॉजिटिव रिलेशनशिप के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा- मैं तो कनविंस था कि वो (शिखर पहरिया) कभी भी मेरी बेटी का एक्स नहीं बन सकता। वो हमेशा उसके साथ रहने वाला है।

पापा कपूर ने बांधे शिखर की तारीफों के पुल मालूम हो कि इंडस्ट्री में यह एक ओपन सीक्रेट है कि शिखर पहरिया का कपूर परिवार के साथ काफी अच्छा बॉन्ड है। यहां तक कि परिवार के मुश्किल वक्त में भी वह हमेशा उनके साथ खड़े रहे हैं। इस बारे में बात करते हुए बोनी कपूर ने कहा, वो ऐसा ही है। एक ऐसा इंसान जो हर हालात में आपके साथ खड़ा रहेगा। फिर चाहे बात जाह्नवी की हो या फिर मेरी या फिर अर्जुन कपूर की। वो सबके साथ काफी फ्रेंडली है।

रणदीप हुड्डा की फिल्म 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई

मुंबई । बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' 22 मार्च को रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। हर जगह सिनेमाघरों में इस फिल्म के शो हाउसफुल हो रहे हैं। फिल्म को देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। नौवें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1.51 करोड़ का कलेक्शन किया है।बड़े पर्दे पर पेश की गई फिल्म में वीर सावरकर की मुख्य भूमिका रणदीप हुड्डा ने निभाई है। फिल्म में रणदीप हुड्डा के अभिनय की हर जगह सराहना हो रही है। सोशल मीडिया पर भी इस फिल्म की जमकर चर्चा हो रही है। कई सेलिब्रिटीज ने भी इस फिल्म की तारीफ करते हुए पोस्ट शेयर किए हैं।इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 11.37 करोड़ की कमाई की है। नौवें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1.51 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म स्वातंत्र्यवीर सावरकर ने अब तक देशभर में 13.95 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। इसने दुनियाभर में 18.68 करोड़ की कमाई की है। इस फिल्म का निर्देशन भी रणदीप हुड्डा ने किया है। इस फिल्म के साथ उन्होंने निर्देशन में कदम रखा है। इस फिल्म में अंकिता ने स्वतंत्रता सेनानी सावरकर की पत्नी यमुनाबाई सावरकर की भूमिका निभाई है।

बड़े पर्दे पर 10 मई को रिलीज होगी रियल लाइफ स्टोरी, अब खुलेंगी सबकी आंखें!

मुंबई टी-सीरीज़ फिल्म्स आपको तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित फिल्म श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने इस साल 10 मई को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है पहले इस फिल्म इस नाम SRI रखा गया था जो अब बदलकर श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने कर दिया गया है। यह फिल्म श्रीकांत बोला की दिल को छू जाने वाली कहानी दर्शकों के समक्ष लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राजकुमार राव, अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्म उद्योगपति श्रीकांत बोला की बायोपिक है, जिन्होंने अपनी दृश्यहीनता को अपने सपनों पर हावी नहीं होने दिया और बोलेंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की।गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत करते हैं, टी-सीरीज़ फ़िल्म्स और चाक एन चीज़ फ़िल्म्स प्रोडक्शन एलएलपी की फिल्म श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने जिसे तुषार हीरानंदानी ने डायरेक्ट किया है, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी द्वारा निर्मित यह फिल्म अक्षय तृतीया के अवसर पर यानी कि 10 मई 2024 को देशभर में रिलीज होगी।

विक्रांत मैसी ने हाथ पर गुदवाया बेटे का नाम, टैटू में दिखी खास तारीख की झलक

नई दिल्ली- बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी के लिए पिछला साल काफी अच्छा साबित हुआ. विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में '12वीं फेल' की कामयाबी ने उन्हें स्टार बना दिया. वहीं, साल 2024 में विक्रांत मैसी पिता बन गए. उनकी पत्नी शीतल ठाकुर ने बेटे को जन्म दिया. कपल ने बेटे का नाम प्यार से वरदान रखा है. अब विक्रांत मैसी ने अपने हाथ पर बेटे के नाम का टैटू बनवाया है, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर दिखाई है.

विक्रांत मैसी ने इंस्टा स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने अपने हाथ पर बेटे वरदान के नाम का टैटू बनवाया है. इसके साथ ही उन्होंने बेटे के जन्म की तारीफ 7-2-2024 भी लिखवाई है. विक्रांत मैसी ने कैप्शन में लिखा, 'एडिशन या फिर एडिक्शन मुझे दोनों से प्यार है.' विक्रांत मैसी और शीतल ठाकुर के बेटे वरदान का जन्म 7 फरवरी, 2024 को हुआ था.23 फरवरी को विक्रांत मैसी और शीतल ठाकुर ने बेटे के नाम का खुलासा किया था. उन्होंने इंस्टा पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'ये किसी आशीर्वाद से कम नहीं हैज्हमने उसका नाम वरदान रखा है.' बेटे के जन्म से पहले विक्रांत मैसी ने सोशल मीडिया पर फैंस को गुड न्यूज सुनाते हुए बताया था कि उनकी पत्नी शीतल मां बनने वाली हैं.मालूम हो कि विक्रांत मैसी और शीतल ठाकुर ने काफी समय तक एक-दूसरे को डेट किया था. साल 2022 में 18 फरवरी को कपल ने हिमाचल प्रदेश में सादगी भरी शादी रचाई थी. दोनों 'ब्रोकन विद ब्यूटीफुली' वेब सीरीज के सीजन 1 में काम करने के दौरान एक-दूसरे के करीब आ गए थे. साल 2019 में ही कपल का रोका हो गया था. कोविड की वजह से विक्रांत और शीतल की शादी टल गई थी. नहीं तो, दोनों पहले ही पति पत्नी बन जाते.

मंदिर के बाहर गरीबों को खाना बांटती नजर आई सारा अली खान, जानें लोगों का ऐसा रहा रिएक्शन

नई दिल्ली । 'मर्डर मुबार' और 'ऐ वतन मेरे वतन' की बैक टू बैक रिलीज के बाद सारा अली खान इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। ऑरमैक्स मीडिया की लिस्टमें 'मर्डर मुबारक' जहां टॉप 10 की लिस्ट में पहले नंबर पर रही है वहीं 'ऐ वतन मेरे वतन' को दूसरी पोजिशन मिली है। बॉलीवुड ए क्ट्रेस सारा अली खान शनिवार को जुहू के शनि मंदिर के बाहर स्पॉट की गईं। सारा अली खान ने मंदिर में प्रार्थना की और इसके बाद बाहर जरूरतमंदों को फूड पैकेट बांटती नजर आईं। फैंस को भाया सारा का यह अंदाजबाहर बैठे जरूरतमंदों को सारा अली खान का यूं खाना बांटना फैंस को बहुत भाया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो पर ढेरों लोगों ने कमेंट किए हैं और एक्ट्रेस की तारीफों के पुल बांधे हैं। अपने हाथों से बांटा गरीबों में खानासारा अली खान को अपने हाथों से गरीबों को खाना बांटते देखकर एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- हमेशा ऐसी ही रहना सारा। एक्ट्रेस ने फोटोग्राफर्स से उस वक्त उनकी तस्वीरें ना लेने की अपील की।

'मेरे 5 साल बर्बाद हो गए, गांजा मत फूंकना', हनी सिंह ने फैन्स को दी सलाह

नई दिल्ली । रैप सुनना पसंद है तो बहुत मुमकिन है कि एक वक्त था जब हनी सिंह के गानों को आपने भी खूब सुना हो। हर शादी और पार्टी में हनी सिंह के गाने बजते थे। फिर अचानक वह धीरे-धीरे लाइमलाइट से दूर होते चले गए और उनके बारे में कई निगेटिव खबरें आने लगीं। कई सालों बाद उन्होंने वापसी की और अब फिर से करियर पर ध्यान दे रहे हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम से हनी सिंह का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने फैन्स को सलाह दी है कि वे गांजा जैसी नशे की लत से दूर रहें।

फैन्स को दी सलाह

हनी सिंह मानसिक बीमारी बायपोलर डिसऑर्डर से जूझ चुके हैं। उनके बारे में ऐसी भी खबरें आई थीं कि वह रिहैब सेंटर में रहे लेकिन बाद में उन्होंने इससे इनकार किया। वह शराब की लत के शिकार हो गए थे और इसके लिए उनका इलाज कराया गया। यही वजह है कि उन्होंने आजकल के यंग फैन्स को यह सलाह दी कि वे गांजा जैसी चीजों से दूर रहें।

5 साल बर्बाद किए

वीडियो में हनी सिंह स्टेज पर आते हैं और कहते हैं, 'मेरे भाइयों और बहनों, तुम सब मेरे छोटे भाई बहन हो, ये गांजा-वांजा मत फूंका करो। मेरी जिंदगी के 5 साल बर्बाद हो गए। दारू पी लो जितनी पीनी है। चरस गांजा मत करना बस।'

बादशाह ने साधा था निशाना

2023 में बादशाह ने हनी सिंह पर तंज कसते हुए कहा था, 'कुछ लोगों का कमबैक ही नहीं हो रहा है।' जिसके जवाब में हनी सिंह ने कहा कि' हर कोई कह रहा है रिप्लाई, रिप्लाईज मुझे क्या रिप्लाई करना चाहिएज् आप लोगों ने पहले ही कमेंट में उन्हें रिप्लाई कर दिया है। मुझे मुंह खोलने की जरूरत नहीं है।'

राखी सावंत के आरोपों पर आदिल दुर्रानी को आया गुस्सा, बोले- 'वो धोखेबाज-ढोंगी है

नई दिल्ली । आदिल खान दुर्रानी और राखी सावंत का झगड़ा वक्त के साथ और ज्यादा बढ़ता जा रहा है। दोनों एक दूसरे पर तरह-तरह के आरोप लगाते रहे हैं और इन गंभीर आरोपों के चलते दोनों ही सोशल मीडिया पर बने रहते हैं। राखी सावंत ने हाल ही में आरोप लगाया था कि सोमीखान से शादी करने के बावजूद आदिल उन्हें वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं। अब एक ताजा इंटरव्यू में आदिल खान दुर्रानी ने राखी सावंत के इस सवाल का जवाब दिया है।

राखी के सभी आरोप हैं झूठे

आदिल दुर्रानी ने के साथ बातचीत में कहा, वो स्क्रीनशॉट और मैसेज पुराने हैं, करीब एक साल पुराने या उससे भी ज्यादा। राखी सावंत की कही बातों पर रिएक्शन देते हुए आदिल खान दुर्रानी ने कहा, राखी सावंत खुद को हिंदू कहती हैं और फिर कभी-कभी मुसलमान बन जाती हैं। आदिल ने कहा कि राखी सावंत के पास और कोई काम नहीं है इसलिए वो मुझ पर आरोप लगाती रहती हैं।

मैं अपनी पत्नी के साथ खुश हूं

राखी सावंत के एक्स हसबैंड आदिल खान दुर्रानी ने बताया कि वो हमेशा यही करती रही हैं। मुझे उन्हें वापस अपनी जिंदगी में पाने में कोई इंटरेस्ट नहीं है। मैं अपनी पत्नी के साथ जिंदगी में बहुत खुश हूं और मुझे उसे वापस पाने के लिए किसी को कॉल करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने मुझे जो भी मैसेज किए थे वो मैं पहले ही पब्लिक डोमेन में ला चुका हूं और आप उन्हें देख भी सकते हैं। मैंने आप लोगों को पहले भी बताया है कि बिना कॉन्ट्रोवर्सी के वो जिंदगी नहीं जी सकती।

उसकी रोजी रोटी मेरी वजह से चल रही

आदिल ने कहा- कभी मेरा नाम लेके कॉन्ट्रोवर्सी, कभी मुझे जेल भेज के कॉन्ट्रोवर्सी, वो मुझ पर निर्भर है। उसकी रोजी रोटी मुझसे चल रही है, सिर्फ मेरी इमेज खराब करके वो जिंदा है। जहां तक सोमी की बात है तो वो और मैं पति पत्नी हैं और हम दोनों एक दूसरे के लिए हमेशा खड़े हैं। जो औरत पति-पत्नी के रिश्ते को नहीं समझती वो क्या ही करेगी जिंदगी में। यह मैं राखी सावंत के लिए कह रहा हूं।

छह माह में 11 हजार रुपए महंगा हुआ सोना

350 रुपए की तेजी के साथ 67,350 रुपए हुआ सोना

नई दिल्ली। इस साल अक्षय तृतीया से पहले ही गोल्ड के रेट ने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 350 रुपये की तेजी के साथ 67,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी की कीमत भी 200 रुपये की तेजी के साथ 77,450 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। बता दें कि शुक्रवार को गुड फ्राइडे के कारण मार्केट बंद था। पिछले छह महीने में एमसीएक्स पर गोल्ड की कीमत में लगभग 11 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार आगे और भी तेजी की उम्मीद है। मार्केट एक्सपर्ट्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में सोने की कीमत में तेजी जारी रह सकती है क्योंकि यूएस फेड द्वारा 2024 में तीन ब्याज दरों में कटौती की घोषणा करने की उम्मीद है।

75,000 तक जाएगी कीमत अनुमान है कि नए वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में या कहें कि पहली तीन तिमाहियों में अमेरिकी फेड तीन बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इसके अलावा ग्लोबल पॉलिटिकल टेंशन, अमेरिकी मुद्रास्फीति में कमी और अमेरिकी डॉलर के परफॉर्मेंस का असर गोल्ड की कीमतों पर पड़ने की संभावना है। अगले वित्तीय वर्ष में एमसीएक्स पर गोल्ड की कीमत 75,000 प्रति 10 ग्राम तक बढ़ने की उम्मीद है। एसएस वेल्थस्ट्रीट की संस्थापक सुगंधा सचदेवा ने कहा- गोल्ड की कीमत में जबरदस्त तेजी आई है। चालू वित्त वर्ष की पिछली दो तिमाहियों में 11,000 प्रति 10 ग्राम से अधिक बढ़ गया है। इसने निवेशकों को अट्रैक्ट किया है। यह तेजी का रुझान जारी रहने की उम्मीद है। अगले वित्तीय वर्ष में गोल्ड और भी अधिक चमकेगा।

अंतरराष्ट्रीय संगठन और मानव विकास संस्थान की नई रिपोर्ट में खुलासा

12 वर्षों में 12,100 से घटकर 10,925 रुपए रह गई भारतीयों की मासिक आय

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) की नई रिपोर्ट इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024 के अनुसार भारत में नियमित वेतन पाने वालों और स्व-रोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट में वास्तविक कमाई का आकलन महंगाई (मुद्रास्फीति) के आधार पर किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार साल दर साल नियमित कर्मचारियों के औसत मासिक वास्तविक कमाई में लगातार गिरावट आई है। 2012 में नियमित कर्मचारियों की औसत मासिक कमाई 12,100 रुपये थी। अब यह सालाना 1.2 फीसदी की गिरावट के साथ 2019 में घटकर 11,155 रुपये प्रतिमाह हो गई। 2022 में यह 0.7 फीसदी की गिरावट के साथ 10,925 रुपये मासिक रह गया।

आकस्मिक श्रमिकों की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई- रिपोर्ट के अनुसार आकस्मिक श्रमिकों के मामले में उलट स्थिति सामने आई है। यानी पिछले दशक के दौरान उनकी वास्तविक कमाई में वृद्धि दर्ज की गई है। 2012 में इनकी

औसत मासिक वास्तविक आय 3,701 रुपये थी जो सालाना 2.4 फीसदी की वृद्धि के साथ 2019 में बढ़कर 4,364 रुपये तथा 2022 में 4712 रुपये हो गई प्रतिमाह हो गई। नियमित कर्मचारियों और स्वरोजगार से संबद्ध लोगों की घटती कमाई के साथ ही आकस्मिक श्रमिकों की आय में हुई बढ़ोतरी का अर्थ यह है कि 2000 से 2022 के बीच पैदा हुई नौकरियों की गुणवत्ता पैमाने पर खरी नहीं थी।

खेती-बाड़ी से जुड़े मजदूरों को नहीं मिल रहा न्यूनतम मेहनताना- रिपोर्ट कहती है कि भारत में श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर न्यूनतम मेहनताना नहीं मिल है। श्रमिकों के एक बड़े हिस्से, विशेष रूप से आकस्मिक श्रमिकों को न्यूनतम वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा। राष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में 40.8 फीसदी नियमित श्रमिकों और 51.9 फीसदी आकस्मिक श्रमिकों को उतना पारिश्रमिक नहीं मिल रहा जितना उस क्षेत्र में किसी अकुशल श्रमिक के लिए प्रतिदिन के लिहाज से कम से कम तय किया गया है।

स्वरोजगार में लगे लोगों की कमाई भी घटी- इसके अलावा रिपोर्ट में निर्माण क्षेत्र में लगे श्रमिकों की कमाई का भी उल्लेख किया गया है। इस क्षेत्र से जुड़े 39.3 फीसदी नियमित कर्मचारियों और 69.5 फीसदी आकस्मिक श्रमिकों को अकुशल श्रमिकों के लिए प्रतिदिन के हिसाब से निर्धारित औसत न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा है। यह आंकड़े 2022 के लिए किए गए पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वे पर आधारित हैं। कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा जो स्व रोजगार में लगा हुआ है उनकी कमाई भी कम हुई है। इनकी वास्तविक कमाई में सालाना 0.8 फीसदी की गिरावट आई है। यह 2019 में करीब 7,017 रुपये प्रतिमाह से घटकर 2022 में 6,843 रुपये प्रतिमाह रह गई।

नॉर्डिक-बाल्टिक देशों में निर्यात 10 तो आयात 9.5 फीसदी बढ़ा, स्वीडन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार

यूरोप के देशों के साथ लगातार बढ़ रहा भारत का कारोबार

नई दिल्ली। यूरोप के नॉर्डिक-बाल्टिक देशों के समूह के साथ भारत का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। निर्यात में 10.16 फीसदी, जबकि आयात में 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के मुताबिक, 2022-23 में इन देशों से भारत का आयात 540 करोड़ डॉलर पार हो गया। वहीं, स्वीडन इन देशों के समूह में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बन गया है।

स्वीडन के साथ भारत ने करीब 269 करोड़ डॉलर का कारोबार किया, इसमें से 96.16 करोड़ डॉलर का निर्यात और 173 करोड़ डॉलर का आयात शामिल है। इसके बाद फिनलैंड के साथ भारत ने 202 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। नॉर्डिक देशों में शामिल डेनमार्क और नॉर्वे के साथ भी भारत के द्विपक्षीय कारोबार में खासी बढ़ोतरी हुई है। 2022-23 में डेनमार्क के साथ भारत का द्विपक्षीय कारोबार 168 करोड़ डॉलर व नॉर्वे के साथ 150 करोड़ डॉलर रहा है। वहीं, इस दौरान आइसलैंड के साथ 1.5 करोड़ डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ है। बाल्टिक देशो में 47.2 करोड़ डॉलर के कारोबार के साथ लिथुआनिया सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है। इसमें से भारत ने 35.7 करोड़ डॉलर का निर्यात और 11.4 करोड़ डॉलर का आयात किया है। सीआईआई के मुताबिक 2018-19 की तुलना में 2022-23 में नॉर्डिक-बाल्टिक देशों को भारत के निर्यात में 10.16 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह 245 करोड़ डॉलर से बढ़कर इस अवधि में 360 करोड़ डॉलर हो गया है। वहीं, आयात में करीब 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 384 करोड़ डॉलर से बढ़कर 544 करोड़ डॉलर पहुंच गया है।

आरबीआई ने जारी किए ताजा आंकड़े, भारत के गोल्ड रिजर्व में जबरदस्त बढ़ोतरी

सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर ताजा आंकड़े जारी किए गए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवे सप्ताह शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। 22 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 642.631 बिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह अब तक का सर्वोच्च स्तर है।

पांचवे सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा कोष में 140 मिलियन डॉलर की वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वोच्च स्तर 2021 में देखा गया था। उस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

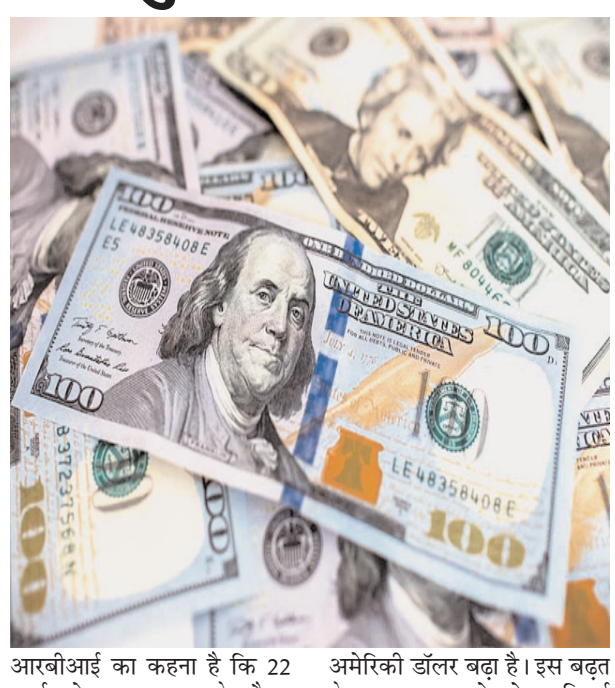

आरबीआई का कहना है कि 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 347 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ा है। इस बढ़त के बाद भारत को गोल्ड रिजर्व 51.487 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। आरबीआई को कहना है कि इस दौरान एसडीआर यानी विशेष आहरण अधिकार घटा है। भारत का एसडीआर 57 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 18.219 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है।

भारत की आरक्षित स्थिति भी 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर कम- आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर कम होकर 4.662 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा संपत्ति 123 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 568.264 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है।

खेल

मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष डबल्स वर्ग का खिताब जीता, रैंकिंग में भी शीर्ष पर लौटे

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने फिर रचा इतिहास

मेलबर्न। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष डबल्स वर्ग का खिताब जीत लिया। इस जोड़ी ने इस साल दूसरी बार इतिहास रचा और बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने वाली सबसे उम्रदराज जोड़ी बन गई। इससे पहले वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी इन दोनों की जोड़ी विजेता बनी थी। वह ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थे।

इस साल शानदार प्रदर्शन कर रहे 44 वर्षीय बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी फाइनल में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिकेक की जोड़ी से एक सेट से पिछड़ गई थी, लेकिन इस जोड़ी ने शानदार वापसी की और हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में 6-7(3), 6-3, 10-6 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही बोपन्ना ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा और वह सबसे अधिक उम्र में एटीपी खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बने।

इससे पहले उन्होंने पिछले साल इंडियन वेल्स में 43 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था।

रैंकिंग में शीर्ष पर की वापसी- ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद बोपन्ना एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए थे। हालांकि दुबई चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल और इंडियन वेल्स के राउंड-32 में हारने के बाद यह जोड़ी दूसरे नंबर पर खिसक गई थी, लेकिन मियामी ओपन में खिताब जीतने के बाद यह जोड़ी सोमवार को जारी होने वाली एटीपी की नवीनतम रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी कर लेगी।

बोपन्ना के नाम है कई उपलब्धियां- भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल बोपन्ना के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हैं। बोपन्ना के करियर का यह 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था, जबकि वह पहली बार मियामी ओपन के खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे। ओवरऑल यह उनका 63वां टूर स्तर का फाइनल था। बोपन्ना के करियर का यह 26वां डबल्स खिताब है। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का यह पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था। बोपन्ना के नाम एक खास उपलब्धि भी जुड़ गई थी वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने थे।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति के सदस्य के खिलाफ गोवा पुलिस की कार्रवाई

महिला खिलाड़ियों से मारपीट मामले में आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। महिला खिलाड़ियों से मारपीट मामले में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को गोवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बात की जानकारी पीटीआई की एक रिपोर्ट में दी गई। शनिवार को खेल मंत्रालय ने सख्ती दिखाते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इस बात की जानकारी खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी। दरअसल, दो महिला खिलाड़ियों ने गोवा में जारी भारतीय महिला लीग के दौरान एआईएफएफ के एक सदस्य पर नशे की हालत में शारीरिक उत्पीड़न और हिंसा का आरोप लगाया। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस मामले में सख्ती दिखाते हुए एआईएफएफ को कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा गोवा में चल रही भारतीय महिला लीग के दौरान महिला फुटबॉलरों पर उनके कोच द्वारा कथित शारीरिक हमले को गंभीरता से लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को इस पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश स्थित क्लब खाद एफसी से संबंधित दो खिलाड़ियों ने गोवा में जारी भारतीय महिला लीग के दौरान एक होटल के कमरे में एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा के खिलाफ शारीरिक उत्पीड़न की शिकायत की है। दोनों ने आरोप लगाया कि शर्मा ने नशे की हालत में उनके साथ मारपीट की और उन्हें थप्पड़ मारा। गोवा फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) और एआईएफएफ ने इसकी शिकायत दर्ज होने की बात स्वीकार की है।

नशे की हालत में की मारपीट- पलक वर्मा और रितिका ठाकुर ने तीन गवाहों के साथ शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया, गुरुवार को जैसे ही रात का खाना खत्म हुआ, हम अंडे उबालने के लिए अपने कमरे में चले गए। इसी बात से दीपक शर्मा नाराज हो गए और हमारे कमरे में घुस आए। उन्होंने हमें थप्पड़ मारा और हम पर शारीरिक हमला किया। वह हमारे सामने शराब पी रहे थे।

नगर की ब्यूटीशियंस से अपील की गयी है कि सेमिनार में भाग लेने के लिये अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य कराये।

मुक्ति सामाजिक एवं सांस्कृतिक मंच के द्वारा आज नुक्कड़ नाटक किया गया

नाटक के माध्यम से निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा किस प्रकार लूटा जा रहा है बताया गया

धीरज कुमार अहीरवाल सिटी चीफ

दमोह, मुक्ति सामाजिक एवं सांस्कृतिक मंच के द्वारा आज नुक्कड़ नाटक किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बतलाया गया कि आज दमोह शहर में लगभग सभी निजी शिक्षण संस्थान शिक्षा के नाम पर अभिभावकों के साथ शुद्ध लूट और डकैती कर रहे हैं। वह उनसे बिल्डिंग फंड और कॉपी किताबों के नाम पर एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज के नाम पर अतिरिक्त शुल्क ले रहे हैं। नाटक में बतलाया गया की कॉपी किताबें जिनकी सही कीमत बाजार में मात्र 1000 है, ऐसी पुस्तकों की कीमत को बड़ा चढ़कर पांच-पांच और 6000 में अभिभावको को बेचा जा रहा है और मुनाफा कमाया जा रहा है। किताबें या तो शैक्षणिक संस्थान खुद क्रय विक्रय करे कर रहे हैं या फिर अपनी एक दुकान फिक्स कर लंबा चौड़ा कमीशन कमाए जा रहा है और किताबों का चयन इस प्रकार किया जाता है कि किसी अन्य दुकान पर वह किताबें नहीं मिलती जिससे कि दुकानदार या स्कूल वाले अपने मन की कीमत पर वह किताबें बेचते है। इस प्रकार के मुनाफे में किसी भी प्रकार से शासन प्रशासन सरकार और राजनीतिक दल उनके खिलाफ कुछ नहीं बोल रहे हैं सभी अपने मुंह में दही जमा कर और इस लूट में कहीं ना कहीं अपनी भागीदारी प्रस्तुत कर रहे हैं। नाटक के माध्यम से आम जनों को यह बतलाया गया है कि अगर आज यह लूट और डकैती नहीं रोकी गई तो इस लूट और डकैती के कारण हमारे बच्चों को हम क्या संस्कार देंगे जब नर्सरी क्लास से एक बच्चे के अभिवाहक साथ शिक्षा संस्थान लूट करेंगे तो भविष्य में उसे बच्चे ऊपर क्या असर पड़ेगा द्य अच्छे से अच्छे शिक्षण संस्थान में पढ़ने के बावजूद भी बच्चों को देनी पड़ रही है द्य आज के समय में शिक्षण संस्थान संस्थान ना होकर शिक्षा के माफिया बन चुके हैं और यह एक ऐसे माफिया है जिनका नया एनकाउंटर हो सकता है न सजा हो सकती है ना उनके खिलाफ कोई आवाज उठा सकता है क्योंकि अगर कोई अभिवाहक विद्यालय में बोलता है कि यह अन्याय है इस तरह की फीस द्य तो तुरंत जवाब मिलता है कि आप कोई और स्कूल या सरकारी स्कूल देख ले द्य समय आ गया है कि लोगों को अपने सांसद विधायक अपने जनप्रतिनिधि से यह सवाल पूछना चाहिए कि वह इन शिक्षा माफिया के ऊपर नकेल करने के लिए क्या कर रहे हैं द्य मुक्ति सामाजिक एवं सांस्कृतिक मंच के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भविष्य में भी अलग-अलग स्थान पर शैक्षिक संस्थानों के विरोध में नुक्कड़ नाटक करने का निश्चय किया है नुक्कड़ नाटक में अखिलेश गोस्वामी रंजीत प्रोचे गौरव रोहितास अभी झरिया प्रशांत चिड़िया दीपक केसरवानी भारत राय संजय रजक मोहित सिंह ठक्कर कृष्णा तिवारी ने अभिनय किया।

कटनी यूनिक ब्यूटी वेलफेयर एसोसिएशन का वन डे लुक एंड लर्न सेमिनार 2 अप्रैल को होटल अरिंडम में

महानगरों की तर्ज पर मुंबई की आर्टिस्ट बिजल गडा

सिखायेगी मैकअप की नयी तकनीक के हुनर

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी यूनिक ब्यूटी वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी 2 अप्रैल को होटल अरिंडम में वन डे लुक एंड लर्न सेमिनार का विशाल आयोजन किया जा रहा है।।सेमिनार की भव्य तैयारियां की जा रही है ब्यूटीशियन के लिये महानगरों की तर्ज पर नयी तकनीकी की कला का पप्रशिक्षण दिया जायेगा। सेमिनार में मुंबई की ख्यातिलब्ध आर्टिस्ट बिजल गड़ा द्वारा सेमिनार में मेकअप से संबंधित नई तकनीक द्वारा विभिन्न प्रकार के गुर सिखाये जाएंगे। मिशन ट्रांस्फारमेशन गुरु बिजल गड़ा ने कहा कि जीवन में हम सभी को कुछ ना कुछ नया सीखते रहना चाहिए और कला जीवन में लोगों की प्रगति और तरक्की का एक साधन है उन्होंने कहा कटनी यूनिक ब्यूटी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा कटनी नगर में सेमिनार के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सार्थक सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। बिजल गडा द्वारा सेमिनार में प्रौब्लमेटिक स्किन मेकअप वेस्टर्न ब्राईडल या आंडियन्स च्वाईस मेकअप विजनेस स्टैटजिस कवेशचन एण्ड आंसर सेशन के नयी तकनीक से हुनर का प्रशिक्षण दिया जायेगा।सेमिनार की आयोजक श्रीमति सपना मोटवानी मोना साहू श्रीमति सिमरन सक्सेना श्रीमति शैलजा तिवारी प्रीति गुप्ता पूजा पवार ने बताया कि शहर की ब्यूटीशियन के लिये महानगरों के कलाकारों का प्रशिक्षण सुलभ कराने कटनी यूनिक ब्यूटी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा निरंतर प्रयास किया जाता है ताकि नगर के ब्यूटीशियन नयी नयी तकनीकों और उपभोक्ताओं की मनपसंद मांगों को पूरवण कर सके हर ब्यूटीशियन का महानगरों में प्रशिक्षण ले पाना संभव नहीं है उनको नगर में इस सुविधा को उपलब्ध कराने के प्रयास एसोसिएशन द्वारा किये जाते है।सेमिनार में नगर ही नहीं अपितु आसपास क्षेत्र सहित शहरों के ब्यूटीशियन को भी इसका लाभ मिलेगा।2अप्रैल को सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है।

घोषणा पत्र समिति की बैठक आज, सीएम मोहन यादव और शिवराज पहुंचे दिल्ली

भोपाल। भाजपा की घोषणा पत्र समिति (संकल्प पत्र) को लेकर नई दिल्ली में सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व बैठक है। समिति में मप्र से दो सदस्य मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सदस्य बनाए गए हैं। वे मध्य प्रदेश की जनता से विभिन्न माध्यमों से लिए गए सुझावों को लेकर दिल्ली की बैठक में जानकारी देंगे। सीएम और शिवराज बैठक में भाग लेने दिल्ली पहुंच गए हैं। शिवराज और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को सुबह दिल्ली पहुंचे और वहां से लोटकर सीधे छिंदवाड़ा पहुचेंगे। वे यहां पार्टी प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में चुनावी प्रचार भी करेंगे। मुख्यमंत्री इसके पहले दिल्ली में लोकसभा चुनाव को लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में भाग लेंगे। तीन बजे दिल्ली से छिंदवाड़ा के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा के चौरई विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार में भाग लेंगे और शाम को चौरई से शाहपुरा चांद पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री रात्रि में आयोजित प्रबुद्धजन कार्यक्रम में भाग लेंगे और रात्रि विश्राम छिंदवाड़ा में ही करेंगे। दो अप्रैल को छिंदवाड़ा में सुबह नौ बजे समाज के प्रमुख लोगो के साथ चर्चा करेंगे और इसके बाद रीवा रवाना होंगे। लोकसभा चुनाव में महिला वोटर को साधने के लिए भाजपा नई रणनीति पर काम कर रही है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सोमवार को मध्य प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय में आहुत की गई है। मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया ने बताया कि बैठक को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं प्रदेश महामंत्री, मोर्चा की प्रदेश प्रभारी कविता पाटीदार संबोधित करेंगी। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर विस्तार से रणनीति बनाई जाएगी।

उज्जैन में कालभैरव मंदिर के बाहर फूल-प्रसाद बेचने वालों ने श्रद्धालुओं को पीटा

अवैध गुमटियों पर चला बुलडोजर

उज्जैन। कालभैरव मंदिर के बाहर रविवार को मुंबई से आए श्रद्धालुओं के साथ फूल-प्रसाद बेचने वालों ने जमकर मारपीट कर उनका सिर फोड़ दिया। नाबालिग किशोर व किशोरियों को भी पीटा और उनके कपड़े तक फाड़ दिए। दो श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मामले में पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ गंभीर धारा में केस दर्ज किया है। वहीं, प्रशासन ने दोपहर बाद अवैध रूप से लगी गुमटियों व फूल प्रसाद बेच रहे लोगों को वहां से हटा दिया। बता दें कि फूल-प्रसाद बेचने वाले आए दिन श्रद्धालुओं से अभद्रता करते हैं। भैरवगढ़ पुलिस ने बताया कि एडवोकेट अमरदीप पुत्र रमेश भट्टाचार्य उम्र 46 वर्ष निवासी मुंबई पत्नी शैलजा, भाई ऋषिकेश, भाभी अनुपमा व बच्चे जीत, युवराज, नेत्रा, स्विता के साथ उज्जैन दर्शन करने के लिए आए थे। वे रविवार सुबह भस्म आरती के पश्चात सपरिवार कालभैरव के दर्शन करने मैजिक वाहन चालक कमल कुमार के साथ गए थे। जहां पार्किंग में वाहन रखकर सभी ने प्रसाद खरीदा और दर्शन करने चले गए। अमरदीप के वापस लौटने पर फूल-प्रसाद बेचने वाला राजा मालवीय व उसके साथी कमल कुमार से विवाद करने लगे कि उन्होंने राजा से फूल-प्रसाद क्यों नहीं लिया। इसके एवज में 200 रुपये की मांग करने लगे। अमरदीप व उसके भाई ने बीचबचाव कर रुपये देने से इंकार किया तो राजा व उसके साथी अभद्रता करने लगे और उन्हें घेर लिया। राजा व उसके साथियों ने अमरदीप, ऋषिकेश व नाबलिग बच्चों के साथ मारपीट की। आरोपितों ने दोनों भाइयों के सिर पर लोहे की राड मार दी, जिससे सिर में गंभीर चोट लगी है। उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एसपी प्रदीप शर्मा का कहना है कि आरोपित राजा मालवीय व उसके साथ साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वहीं कलेक्टर नीरज सिंह को भी इस संबंध में सूचना दी गई है कि काल भैरव मंदिर क्षेत्र में अवैध दुकान संचालित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजस्व की टीम को भेजा जाए। आए दिन श्रद्धालुओं से करते हैं अभद्रता फूल-प्रसाद बेचने वाले अवैध रूप से मदिरा का भी विक्रय करते हैं। आए दिन श्रद्धालुओं से पार्किंग व प्रसाद लेने को विवाद करते रहते हैं। साथ ही उनकी दुकान से प्रसाद लेने के लिए दबाव भी बनाते हैं। कई बार तो श्रद्धालु के वाहन से उतरते ही पकड़कर अपनी दुकान पर लेकर चले जाते हैं। श्रद्धालु के मना करने पर अभ्रदता व मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। पुलिस भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। मंदिर के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी केवल मूकदर्शक बनकर खड़े रहते हैं। जेसीबी से हटाई अवैध गुमटियां कालभैरव मंदिर में रविवार को हुए घटनाक्रम के बाद प्रशासन हरकत में आया। दोपहर बाद नगर निगम व प्रशासन की टीम ने मंदिर के बाहर अवैध रूप से हार फूल बेच रहे लोगों पर कार्रवाई की। जेसीबी की मदद से अवैध गुमटियों को हटा दिया गया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारी व भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था।

धर्मधानी की छवि हो रही धूमिल धर्मधानी उज्जैन में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु देश विदेश से भगवान महाकालेश्वर, मां हरसिद्धि, मंगलनाथ, कालभैरव सहित अन्य मंदिरों के दर्शन करने पहुंचते हैं। प्रदेश सरकार सुलभ दर्शन व तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को और बढ़ाने में लगी है। हर संभव जतन किए जा रहे हैं लेकिन श्रद्धालुओं से मारपीट के कारण उज्जैन की छवि धूमिल हो रही है। तीन दिन पूर्व भी महाकालेश्वर मंदिर में सुरक्षाकर्मियों ने श्रद्धालु से मारपीट की थी। इसके पूर्व भी महाकालेश्वर मंदिर में सुरक्षार्मियों द्वारा श्रद्धालुओं से अभ्रदता की शिकायतें मिल चुकी हैं।

नरवाई में लगी आग बुझाने के दौरान जिंदा जल गया वृद्ध मजदूर

आठनेर। बैतूल जिले के आठनेर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम उमरी में रविवार शाम को नरवाई में लगी आग झोपड़े तक आ जाने पर उसे बुझाने के दौरान 60 वर्षीय वृद्ध मजदूर जिंदा जल गया। आग और धुआं कम होने पर वृद्ध का शव जली हुई अवस्था में खेत की मेड़ पर नजर आया। सूचना मिलने पर आठनेर पुलिस मौके पर पहुंचकर विवेचना कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उमरी लाल खेड़ी में राजिक खान के खेत की नरवाई में रविवार शाम को आग लग गई। खेत में ही बनी झोपड़ी में 60 वर्षीय मजदूर जोगी पदाम रहता था। शाम करीब पांच बजे नरवाई की आग झोपड़ी के पास तक आ गई जिसे बुझाने के लिए जोगी खेत में चला गया। आग तेजी से भड़की और उसने जोगी को चपेट में ले लिया। जोगी के स्वजन रमेश ने बताया कि मृतक गांव में ही राजिक खान के खेत में काम करता था। आग बुझाने के दौरान उसकी चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर विवेचना कर रही है।

आज से महंगी हो जाएगी बिजली, चुनावी साल में पढ़ें क्या है नया रेट

जबलपुर। मप्र में एक अप्रैल से बिजली का नया ट्रैरिफ लागू हो गया है। मप्र विद्युत नियामक आयोग ने निम्न दाब घरेलू, गैर घरेलू, औद्योगिक और कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं की विद्युत दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी। सिर्फ स्ट्रीट लाइट के लिए उपयोग होने वाली बिजली की दर में मामूली 0.07 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है इस बार निर्णय लिया गया है कि उपभोक्ताओं को अब न्यूनतम प्रभार नहीं देना होगा। इससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। इस साल उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए सरकार 25 हजार 500 करोड़ रुपये का अनुदान देगी। प्रदेश में तीन हार्सपावर, पांच हार्सपावर और 10 हार्सपावर के कृषि उपभोक्ताओं का बिजली बिल पूरे वर्ष में क्रमशः 29,533, 52,676 एवं 1,11,667 रुपये बनता है। जबकि, किसान को तीन हार्सपावर के पंप के लिए 2,250, पांच हार्सपावर पंप के लिए 3,750 और दस हार्सपावर के पंप के लिए केवल 7,500 रुपये का ही भुगतान करना होगा घरेलू उपभोक्ताओं को 150 यूनिट प्रति माह तक मासिक खपत पर प्रथम 100 यूनिट पर 100 रुपये का ही भुगतान करना होता है। यह व्यवस्था जारी रहेगी। सरकार अनुदान के रूप में विद्युत वितरण कंपनियों को प्रति उपभोक्ता लगभग 542 रुपये का भुगतान करती है। प्रदेश में लगभग एक करोड़ आठ लाख घरेलू और लगभग 35 लाख कृषि उपभोक्ता को सरकार अनुदान का लाभ दे रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में सरकार ने लगभग 24 हजार करोड़ रुपये अनुदान दिया तो वर्ष 2024-25 में यह राशि 25 हजार 500 करोड़ रुपये होने की संभावना है। इस संबंध में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सीजीएम कमर्शियल अशोक धुर्वे ने कहा कि एक अप्रैल से नया ट्रैरिफ लागू किया जा रहा है। टैरिफ प्रस्ताव में पहले मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी ने 2,046 करोड़ के घाटे की भरपाई के लिए मप्र विद्युत नियामक आयोग से बिजली दरों में 3.86 फीसदी औसत वृद्धि करने की अनुमति मांगी थी। आयोग ने इसे खारिज कर दिया। आयोग ने बिजली कंपनी का घाटा 36.77 करोड़ रुपए स्वीकार किया है। इसे देखते हुए सिर्फ 0.07 प्रतिशत बिजली महंगी करने की अनुमति दी गई।

कांग्रेस नेता और कर्नाटक विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा के अपनी प्रतिद्वंद्वी और भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा के खिलाफ बिगड़े बोल

कांग्रेस नेता की टिप्पणी 'औरतों का काम खाना बनाना....' से मचा बवाल

बेंगलुरु। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कर्नाटक के दावणगेरे दक्षिण से विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा ने अपने प्रतिद्वंद्वी और भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा के खिलाफ एक लैंगिक टिप्पणी की। उनकी टिप्पणी करने के बाद विवाद खड़ा हो गया। 92 वर्षीय विधायक ने कहा कि गायत्री केवल खाना बनाने लायक हैं क्योंकि वह राजनीति के बारे में कुछ नहीं जानती हैं। पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए शिवशंकरप्पा ने कहा, वोट मांगने से पहले उन्हें इस निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं को अच्छी तरह से जान लेना चाहिए। उन्हें सार्वजनिक जीवन में रहने के बारे में कुछ भी पता नहीं है और वह केवल रसोई में खाना बनाने के लायक हैं। वह सार्वजनिक रूप से अच्छे से बात भी नहीं कर पाती हैं।

विभिन्न वर्गों के लोगों ने वरिष्ठ नेता की टिप्पणी के बाद उनकी आलोचना की और शिवशंकरप्पा से भाजपा नेता के खिलाफ उनकी अभद्र टिप्पणियों के लिए माफी मांगने की मांग की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, गायत्री ने कहा, ह्यअज्जा (दादाजी) को पता होना चाहिए कि महिलाएं हर उद्योग में बदलाव ला रही हैं। यह 2024 है, और क्या हम अभी भी रसोई तक ही सीमित हैं? टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं। इस बीच, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने शिवशंकरप्पा की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि पार्टी इस तरह की लैंगिक टिप्पणियों को प्रोत्साहित नहीं करेगी। उन्होंने कहा, मैं ऐसे किसी भी बयान की कड़ी निंदा करता हूं जिसमें दूर-दूर तक किसी की ओर से लिंगभेद और स्त्रीद्वेष की बू आती हो।

महिला विरोधी टिप्पणी करने पर भड़कीं साइना नेहवाल, कर्नाटक के कांग्रेस नेता को लताड़ा

नई दिल्ली। भारत की पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल दावणगेरे सीट से भाजपा की उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरी पर की गई महिला विरोधी टिप्पणी पर भड़क उठीं। साइना ने कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा की आलोचना की जिन्होंने गायत्री पर हाल ही में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दावणगेरे दक्षिण से मौजूदा कांग्रेस विधायक 92 वर्षीय शिवशंकरप्पा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद सिद्धेश्वरा जीएम की पत्नी गायत्री पर महिला विरोधी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि गायत्री केवल रसोई में खाना बनाना जानती हैं। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और भाजपा नेता साइना शिवशंकरप्पा के बयान से भड़क उठीं और उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट

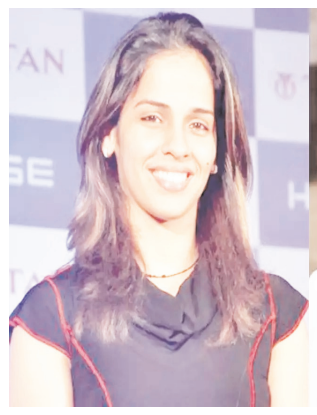

डाल उनकी कड़ी आलोचना की। साइना ने लिखा, कर्नाटक के एक वरिष्ठ नेता शिवशंकरप्पा का कहना है कि महिलाओं को सिर्फ रसोई में काम करने तक सीमित रहना चाहिए। दावणगेरे से भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा पर की गई लैंगिक टिप्पणी की कम से कम ऐसी पार्टी से उम्मीद नहीं की जा सकती जिनका नारा है लड़की हूं, लड़ सकती हूं। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की आशा रखती हैं, ऐसे में महिलाओं के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी हैरान करने वाली

है। 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली नेहवाल ने कहा, जब मैंने देश के लिए पदक जीते तो कांग्रेस पार्टी मुझसे क्या चाहती थी। मुझे क्या करना चाहिए था? जब सभी लड़कियां और महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने का सपना देखती हैं तो इस तरह का बयान क्यों दिया जा रहा है। एक तरफ हम नारी शक्ति को वंदन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक पास किया गया, जबकि दूसरी ओर नारी शक्ति का अपमान करने वाले लोग हैं। यह बहुत ही परेशान करने वाला है।

यह कहा था शिवशंकरप्पा ने

कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवशंकरप्पा ने हाल ही में कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा की महिला नेत्री गायत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिस पर काफी विवाद बढ़ गया है। शिवशंकरप्पा ने कहा था, गायत्री ठीक से बोल भी नहीं पाती हैं और वह घर में खाना बनाने के लिए फिट बैठती हैं।

नौकरी का लालच देकर करा रहे अवैध काम, ओडिशा की राउरकेला पुलिस ने किया था भंडाफोड़

कंबोडिया में भारतीयों से कराया जा रहा साइबर क्राइम

नई दिल्ली। कंबोडिया में नौकरी के नाम पर लोगों को जबरन उनकी इच्छा के खिलाफ काम करने के लिए मजबूर किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमने कंबोडिया में फंसे भारतीय नागरिकों पर मीडिया रिपोर्ट देखी है। कंबोडिया में हमारा दूतावास उन भारतीय नागरिकों की शिकायतों पर तुरंत प्रतिक्रिया दे रहा है, जिन्हें उस देश में नौकरी के अवसरों का लालच दिया गया था, लेकिन उन्हें अवैध साइबर काम करने के लिए मजबूर किया गया था। गौरतलब है कि पुलिस को इस बड़े घोटाले के बारे में पिछले साल के अंत में पता चला जब केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि उसके साथ 67 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी हुई है और शिकायत दर्ज कराई थी। ओडिशा की राउरकेला पुलिस ने 30 दिसंबर को एक साइबर अपराध सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया और लोगों को कंबोडिया ले जाने में कथित तौर पर शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार किया।

आठ लोगों को किया था गिरफ्तार- पुलिस

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस के अधिकारी ने कहा कि हमने देश के कई हिस्सों से आठ लोगों को गिरफ्तार किया और घोटाले में शामिल कई लोगों के खिलाफ प्रथम दृष्टया सबूत हैं। हमने 16 के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया, जिसके बाद आव्रजन ब्यूरो ने कंबोडिया से उतरने के बाद हैदराबाद हवाई अड्डे पर दो लोगों - हरीश और नागा वेंकट सौजन्या कुरापति को हिरासत में लिया।

मैनहट्टन के वकीलों ने लगाया गैग का उल्लंघन करने का आरोप

न्यायाधीश की बेटी पर पोस्ट कर फंसे डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। वह कई मुकदमे में अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। इस बार हश-मनी मामले में डोनॉल्ड ट्रंप मुश्किल में पड़ते नजर आ रहे हैं। दरअसल, मैनहट्टन अभियोजकों ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि ट्रंप ने हाल ही में न्यायाधीश की बेटी पर हमला करके और सोशल मीडिया पर उसके बारे में झूठा दावा करके एक गैग आदेश का उल्लंघन किया हैं। न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन ने मंगलवार को जांच का एक आदेश जारी किया था। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति को अदालत से जुड़े कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों पर हमलों से तुरंत बचने का निर्देश दिया गया था।अब मैनहट्टन जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने गैग आदेश के दायरे को स्पष्ट करने के लिए कहा है।

सजा दी जानी चाहिए

सहायक जिला अटॉर्नी जोशुआ स्टींगलास ने मर्चन को लिखे एक पत्र में तर्क दिया कि अदालत के कर्मचारियों या उनके परिवारों को परेशान करने वाले बयानों पर प्रतिबंध लगाने से ट्रंप की बयानबाजी बंद हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप अगर आगे उल्लंघन करते हैं तो उन्हें सजा दी जानी चाहिए।

यह है मामला

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बुधवार को एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि मर्चन ट्रंप को लाने के लिए पैसे बनाने का काम कर रही हैं। साथ ही ट्रंप ने गलत तरीके से उन्हें सलाखों के पीछे दिखाते हुए एक फोटो पोस्ट करने का आरोप लगाया। वहीं, न्यूयॉर्क की स्टेट कोर्ट सिस्टम के एक प्रवक्ता का कहना है कि ट्रंप का दावा झूठा है। वह जिस सोशल मीडिया अकाउंट का जिक्र कर रहे हैं, वह अब लॉरेन मर्चन का नहीं है।

ट्रंप के वकीलों का यह तर्क

इस पर ट्रंप के वकीलों ने तर्क दिया कि जिला अटॉर्नी का कार्यालय आदेश की गलत व्याख्या कर रहा है। यह आदेश उन्हें एक राजनीतिक सलाहकार लॉरेन मर्चन के बारे में टिप्पणी करने से नहीं रोकता है। बता दें, लॉरेन ने ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रपति जो बाइडन और अन्य डेमोक्रेट के लिए अभियानों पर काम किया है।

बीआरएस नेता बोले- हम तो किसानों से मिलने जा रहे

तेलंगाना के पूर्व सीएम कर रहे थे सफर चुनाव अधिकारियों ने ली गाड़ी की तलाशी

नई दिल्ली। निर्वाचन अधिकारियों ने चुनावी ड्यूटी के तहत रविवार को उस बस की तलाशी ली, जिसमें तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव यात्रा कर रहे थे। राव बस में राज्य के सूर्यापेट जिले की ओर जा रहे थे। तेलंगाना में लोकसभा चुनाव के लिए 13 मई को मतदान होगा, जिसके लिए वर्तमान में आदर्श आचार संहिता लागू है। बीआरएस के सूत्रों के मुताबिक, के. चंद्रशेखर राव अपने दौरे के तहत कृषि क्षेत्रों का निरीक्षण करने के लिए सूर्यापेट जा रहे थे। ये कृषि क्षेत्र कथित तौर पर सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं।

बीआरएस सूत्रों ने कहा कि जिले के एडुलापर्रे टांडा चेक पोस्ट पर वाहन की जांच की गई। पार्टी सूत्रों ने बताया कि केसीआर किसानों के सामने पैदा हुए सूखे जैसे हालात के मद्देनजर उनमें विश्वास पैदा करने के लिए उनसे बातचीत कर रहे थे। दूसरी ओर, बीआरएस के मौजूदा विधायक व पूर्व मंत्री के. श्रीहरि और उनकी बेटी के. काव्या रविवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने पहले भी श्रीहरि को पार्टी में शामिल होने के लिए न्योता दिया था।

बीआरएस के एक और नेता श्रीहरि ने छोड़ी पार्टी

श्रीहरि ने कहा था कि विभिन्न कारणों से लोग बीआरएस से दूर होते जा रहे हैं। इसलिए लोगों की सेवा करने और निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुछ करने के वास्ते वह कोई फैसला लेंगे। काव्या ने पूर्ववर्ती के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और फोन टैपिंग के हालिया आरोपों का हवाला देते हुए पार्टी छोड़ने के अपने फैसले का ऐलान किया। बीआरएस ने काव्या को वारंगल सीट से उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने कहा था कि आरोपों से पार्टी की प्रतिष्ठा कम हुई है।

कांग्रेस में शामिल हुई महापौर

दूसरी ओर से, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की महापौर विजय लक्ष्मी आर गडवाल कांग्रेस में शामिल हो गईं। रेवंत रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेताओं ने विजय लक्ष्मी के पिता व बीआरएस के राज्यसभा सदस्य के केशव राव से उनके आवास पर मुलाकात की। इससे पहले शुक्रवार को केशव राव ने कहा था कि वह कांग्रेस में वापसी करेंगे। उन्हें महासचिव नामित किया गया है। के. चंद्रशेखर राव नीत बीआरएस में शामिल होने से पहले वह अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष थे।

बिना जमानत के सात साल से जेल में थे बंद

मदरसा शिक्षक की हत्या के मामले में तीन आरएसएस

कोच्चि। केरल की एक अदालत ने मदरसा शिक्षक की हत्या से जुड़े एक मामले में तीन आरएसएस कार्यकताओं को रिहा कर दिया। तीनों आरोपियों ने बिना जमानत के सात साल जेल में बिताएं हैं। कासरगोड प्रधान सत्र न्यायालय के न्यायाधीश केके बालाकृष्णन ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि आरोपियों की मुस्लिम समुदाय से किसी तरह की दुश्मनी थी। इसके अलावा, अभियोजन पक्ष यह भी साबित नहीं कर पाए कि आरोपी का आरएसएस से किसी भी तरह का संबंध रहा है मामला 2017 का है। आरोप है कि तीन आरएसएस कार्यकताओं- अखिलेश, निधिन और अजेश ने चुरी की मुहयुद्दीन जुमा मस्जिद के अंदर मुअज्जिन मोहम्मद रियास मौलवी (34) और चूरी के मदरसा शिक्षक की हत्या कर दी थी। तीनों पर कथित तौर पर आरोप है कि उन्होंने मौलवी का गला काट दिया था।

अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा कि आरोपियों और अभियोजन पक्ष के गवाहों से जब्त किए गए फोन से भी कुछ भी उपयोगी नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि मृतक ने किन-किन लोगों से बात की। उन्होंने एक अच्छा मौका गंवा दिया। इस मामले में अभियोजन पक्ष की चुप्पी ही तीनों व्यक्तियों पर लगे आरोपों को खारिज करने के लिए पर्याप्त है। सबूतों और गवाहों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जांच मानकों के अनुसार ही हुई है। अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि पीड़ित की हत्या इन्हीं आरोपियों ने ही की थी। अदालत ने कहा कि उनपर आरोप साबित नहीं हुए इसलिए तीनों इन अपराधों के लिए दोषी नहीं हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश बोले- देशभर में आठ करोड़ गारंटी कार्ड बांटने के लिए 3 अप्रैल से शुरू करेंगे 'घर घर गारंटी' अभियान

कांग्रेस पांच अप्रैल को जारी करेगी घोषणा पत्र

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दल जोर लगा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि वे पांच अप्रैल को अपना घोषणा पत्र जारी करेंगे। इसके अलावा, कांग्रेस ने भाजपा के अंतिम क्षण में घोषणा पत्र समिति के गठन पर भी कटाक्ष किया। बता दें, भाजपा ने शनिवार को घोषणापत्र तैयार करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 27 सदस्यीय समिति की घोषणा की, जिसमें कई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री शामिल हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि हमने 16 मार्च को अपना पांच न्याय और पच्चीस गारंटी जारी की। देश भर में आठ करोड़ गारंटी कार्ड वितरित करने के लिए हम तीन अप्रैल से घर घर गारंटी अभियान शुरू करेंगे। घोषणापत्र 5 अप्रैल को जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र राष्ट्रव्यापी विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। हमने अपने घोषणा पत्र में उन हजारों सुझावों को भी शामिल किया है, जो हमें ईमेल और आवाज भारत की वेबसाइट के माध्यम से भेजे गए हैं। कांग्रेस का घोषणा पत्र जनता की आवाज को दशार्ता है।

बीजेपी का घोषणापत्र बक्सों पर टिक लगाने की एक प्रक्रिया मात्र

इसके अलावा, रमेश ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बीजेपी का घोषणापत्र केवल बक्सों पर टिक लगाने की एक प्रक्रिया मात्र है। इससे साबित होता है कि पार्टी कैसे जनता की अवमानना कर रही है। इससे यह साबित होता है कि कैसे भाजपा जनता की उम्मीदों को नजरअंदाज कर रही है। भाजपा आयकर नोटिस भेजकर कांग्रेस को परेशान करने की कोशिश में जुटी है, लेकिन कांग्रेस न तो डर रही है और न ही धीमी हो रही है।

उबर से बुक किया ऑटो, 62 रुपए के बजाय 7 करोड़ की आया बिल

नई दिल्ली। उबर का एक रेगुलर कस्टमर उस वक्त हैरान रह गया, जब छोटी सी राइड के लिए उसके सामने करोड़ों का बिल आ गया। दीपक तेनगुरिया नामक युवक ने शुक्रवार को उबर इंडिया से एक ऑटो राइड बुक की जिसका किराया 62 रुपये के आसपास आता था। मगर, दीपक जब अपनी लोकेशन पर पहुंचा तो हैरान रह गया। उसने अपने मोबाइल ऐप में देखा कि इस छोटी सी राइड के बदले 7.66 करोड़ रुपये का बिल आ गया। इस वक्त तक तो ड्राइवर ने यह राइड कैंसिल भी नहीं की थी। यह मामला उस वक्त सामने आया जब दीपक के दोस्त आशीष मिश्रा ने इसे एक्स पर शेयर कर दिया। उसने एक वीडियो क्लिप शेयर किया है जिसमें दोनों बिल को लेकर चर्चा करते नजर आ रहे

हैं। आशीष मिश्रा ने अपनी पोस्ट में तंज कसते हुए लिखा, सुबह-सुबह उबर इंडिया ने दीपक तेनगुरिया को इतना अमीर बना दिया कि उबर की फ्रैंचाइजी लेने की सोच रहा है अगला। मस्त बात है कि अभी ट्रिप कैंसल भी नहीं हुई है। 62 रुपये में ऑटो बुक करके तुरंत बनें करोडपति कर्जदार।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569